राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 09नवम्बर 2020 वर्ष–3 अंक 284 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईएमए का अनुमान, प्रदूषण से दिल्ली में कोरोना के मामले 13 फीसदी बढ़े

नई दिल्ली। राजधानी में कोरोना के बढ़ते मामलों के लिए प्रदूषण भी एक कारण साबित हो रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) का अनुमान है कि दिल्ली में 13 फीसदी कोरोना के मामले प्रदूषण के कारण बढ़े है। आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर राजन शर्मा के अनुसार पिछले कुछ दिनों से राजधानी में छह हजार से ज्यादा कोरोना के मामले सामने आ रहे है। जिसमें 13 फीसदी मामले बढ़ते प्रदूषण के कारण सामने आए है। श्वास संबंधी बीमारी वाले मरीजों को खासा दिक्कत होती है। वायु गुणवत्ता सूचकांक के 50 से 100 के बीच में होने पर भी ऐसे मरीजों को परेशानी होती है। लेकिन इसके 300 से ऊपर जाने से स्वस्थ्य व्यक्ति भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में एक मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग द्वारा एक शोध किया गया था। जिसमें 3019 लोगों की स्क्रीनिंग करने पर 34.35 फीसदी के फेफड़ों में दिक्कत मिली थी। वायु प्रदूषण स्वास्थ्य के

सामाजिक निर्धारकों का मुख्य कारण है। इससे फेफड़ों की आतंरिक परत को नुकसान पहुंचता है। जिससे कोरोना संक्रमण की तीव्रता अधिक हो जाती है। दिल्ली में प्रदूषण के कई कारक है। जिसमें वाहनों के प्रदूषण से लेकर निर्माण संबंधी गतिविधियां, फसल के अवशेषों को जलाना, सड़कों पर धूल होना है।

लॉकडाउन के बावजूद यूरोप में कोरोना संक्रमण बेकाबू, फ्रांस में रोजाना मामले 60 हजार के पार

पेरिस। महामारी की पहली लहर रोकने में कुछ हद तक सफल रहे यूरोपीय देशों में आंशिक या पूर्ण तालाबंदी के बावजूद कोरोना संक्रमण एक बार फिर बेकाबू होता दिख रहा है। फ्रांस में पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के रिकॉर्ड मामले 60 हजार के पार हो गए, 486 नए मामले सामने आए। वहीं, जर्मनी से संक्रमण रोकने के लिए एक महीने की आंशिक तालाबंदी लागू कर दी है। फ्रांस में एक दिन में 60,486 नए मामले सामने आए हैं। यहां के राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अब यहां कुल संक्रमितों की संख्या 17 लाख को पार कर गई है। एक दिन पहले यहां कोरोना के 58 हजार से अधिक नए मामले दर्ज किए गए थे। इस महामारी के कारण अब तक 39,916 लोगों की मौत हो चुकी है। यहां कोरोना संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने आंशिक रूप से लॉकडाउन लगाया है। लोगों को सिर्फ आवश्यक काम से बाहर जाने की इजाजत है। बार, कैफे, जिम और रेस्तरां बंद कर दिए गए हैं। सरकार का अनुमान है कि एक महीने तक लॉकडाउन लागू करके हर दिन के मामलों को पांच हजार तक सीमित किया जा सकता है।

जर्मनी में सर्वाधिक नए मामले

जर्मनी में जारी चार सप्ताह की आंशिक तालाबंदी का पहला सप्ताह पूरा होने से पहले ही एक दिन में सर्वाधिक मामले दर्ज किए गए। शनिवार को यहां 19,059 नए मामले आए जो महामारी की शुरुआत से अब तक आए रोजाना मामलों में सर्वाधिक है। हालांकि अर्थव्यवस्था को देखते हुए सरकार ने इस बार जो प्रतिबंध लागू किया है, वह मार्च में लागू किए प्रतिबंध से नरम है। इस बार रेस्टोरेंट, बार, थियेटर, सिनेमा और दूसरे मनोरंजन क्षेत्रों में बंदी है जबकि स्कूल, सलून व गैर-आवश्यक दुकानें भी खुली हुई हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि प्रतिबंधों में सख्ती न होने के कारण ही मामले बढ़ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई मॉडल से उम्मीद

संक्रमण की दूसरी लहर में जहां यूरोपीय देश लगातार बढ़ रहे मामलों से परेशान हैं, वहीं आस्ट्रेलिया उदाहरण पेश कर रहा है। यहां के विक्टोरिया में पिछले आठ दिन में एक भी नया मामला नहीं आया है। संक्रमण पर काबू पाने से यहां के प्रशासन से प्रतिबंधों में ढील शुरू कर दी है। अब लोगों को मेलबर्न से बाहर जाने पर कोई रोक नहीं है। अभी तक यहां 25 किलोमीटर की परिधि के बाहर जाने की मनाही थी। इस तरह के प्रतिबंध के मॉडल को यहां 'रिंग ऑफ स्टील' नाम दिया गया है। संक्रमण नियंत्रित होने से यहां से न्यूजीलैंड की हवाई सेवा दोबारा शुरू हो रही है।

सिंगापुर में दिसंबर से खुलेंगे रात में चलने वाले प्रतिष्ठान-सिंगापुर में रात में चलने वाले प्रतिष्ठानों की सीमित संख्या को दिसंबर से दो महीने के लिए खोलने की अनुमति दी जाएगी। उद्योग और गृह मामलों के मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

दिल्ली में पुलिस कर रही है पटाखों की बिक्री पर छापेमारी

मिले 459 किलोग्राम बैन पटाखे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कहा कि उन्होंने इस दीवाली पर हरे और PESO-प्रमाणित पटाखों की बिक्री के लिए दिल्ली में दुकानदारों को दिए गए सभी लाइसेंस सस्पेंड कर दिए हैं। ये फैसला दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा दिल्ली में 30 नवंबर तक सभी प्रकार के पटाखे फोड़ने और बेचने पर 'पूर्ण प्रतिबंध' लगाने के एक दिन बाद आया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शहर भर में ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिस कर्मियों को पहले से ही निर्देशों को लागू करने और अवैध बिक्री में शामिल लोगों पर ÷बड़े पैमाने पर कार्रवाई÷ करने के लिए निर्देशित किया गया है। नतीजतन, शहर की पुलिस ने अब तक लगभग 459 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे जब्त किए हैं और पटाखों के भंडारण और बिक्री के लिए शुक्रवार और शनिवार के बीच पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम और बाहरी दिल्ली क्षेत्रों से तीन दुकानदारों को गिरफ्तार किया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (लाइसेंसिंग यूनिट) सुवाशीस चौधरी ने कहा, हम (दिल्ली पुलिस) ने दिल्ली में डीपीसीसी जिन्होंने 30 नवंबर तक सभी पटाखों की बिक्री और उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है, इनकी अधिसूचना के बाद, हमने पटाखे बेचने के लिए जारी किए गए सभी लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। सभी लाइसेंस धारकों को संबंधित पुलिस जिलों और पुलिस स्टेशनों के माध्यम से निर्णय के बारे में सूचित किया जा रहा है दिल्ली के

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को दिल्ली में 7 नवंबर से 30 नवंबर तक पटाखों पर कम प्रदूषण वाले हरे रंग के वेरिएंट पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि शहर में कोविद -19 मामलों की बढ़ती संख्या का आकलन करने के बाद निर्णय लिया गया था. डीपीसीसी के सदस्य सचिव ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को लिखा था कि उन्हें शनिवार से प्रतिबंध लागू करने के लिए कहा जाए, और राज्य प्रदूषण नियंत्रण निकाय को दैनिक कार्रवाई रिपोर्ट सौंपे। सोमवार को पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में एक मीटिंग होगी जिसमें प्रतिबंध पर बात की जाएगी। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, हरे पटाखे बेचने के लिए कुल 167 लाइसेंस 2 नवंबर तक जारी किए गए थे। इन सभी को शुक्रवार (6 नवंबर) को डीपीसीसी द्वारा 'पूर्ण प्रतिबंध' अधिसूचना जारी किए जाने के बाद निलंबित कर दिया गया था, जो शनिवार से शुरू हुआ। अधिकारियों ने कहा कि प्रतिबंध के बारे में पटाखों की बिक्री के लिए 15 पुलिस जिलों से लाइसेंस प्राप्त करने वाले और दुकानदारों को सूचित करने के अलावा, पुलिस दुकानों और गोदामों में पटाखों के भंडारण के रिकॉर्ड भी मांग रही है। दुकानदारों को यह भी बताया जा रहा है कि मौजूदा भंडारण मात्रा में कोई भी गड़बड़ी देखने को मिली तो कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस ने बताया कि सदर बाजार क्षेत्र की अधिकांश दुकानों के साथ, उत्तर पुलिस जिले में दुकानदारों को कुल 19 लाइसेंस जारी किए गए थे। शनिवार को, विशेष टीमों ने प्रतिबंध को लागू करने और जनता को उसी के बारे में सूचित करने के लिए उत्तरी दिल्ली के विभिन्न बाजारों और आवासीय कॉलोनियों में औचक निरीक्षण किया। इसी तरह की व्यवस्था शहर के अन्य पुलिस जिलों में भी की गई थी। शनिवार की सुबह, डाबरी पुलिस स्टेशन की टीम ने एक दुकान से 34 किलोग्राम से अधिक प्रतिबंधित पटाखे जब्त किए, जहां वे अवैध रूप से जमा हुए थे। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) संतोष कुमार मीणा ने कहा कि उन्होंने कहा कि दुकानदार राकेश बंसल को विस्फोटक अधिनियम की धारा 9 बी के तहत गिरफ्तार किया गया था।

बढ़ रहा है दिल्ली में प्रदूषण, लोगों ने की आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगतार खतरनाक बना हुआ है। शनिवार को 12 बजे राजधानी का एयर इंडेक्स बढ़कर 440 तक पहुंच गया था। दिल्ली के लोग लगातार बढ़ते इस प्रदूषण से परेशान हैं। प्रदूषक लगातार दिल्ली की हवा को जहरीला बना रहे हैं। देश की राजधानी में हवा हेल्थ इमरजेंसी तक पहुंच गई है। दिल्ली के लोगों ने आंखों में जलन और प्रदूषण के कारण सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत की है। ये तस्वीरें दिल्ली के दिल्ली छावनी क्षेत्र की हैं जहां प्रदूषण के कारण स्मॉग की चादर बिछ गई है और दिल्ली के लोग प्रदूषण के बीच रहने को मजबूर हैं। राजधानी में कोरोना के बढ़ते मामलों के लिए प्रदूषण भी एक कारण साबित हो रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) का अनुमान है कि दिल्ली में 13 फीसदी कोरोना के मामले प्रदूषण के कारण बढ़े है। आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर राजन शर्मा के अनुसार पिछले कुछ दिनों से राजधानी में छह हजार से ज्यादा कोरोना के मामले सामने आ रहे है। जिसमें 13 फीसदी मामले बढ़ते प्रदूषण के कारण सामने आए है। श्वास संबंधी बीमारी वाले मरीजों को खासा दिक्कत होती है। वायु गुणवत्ता सूचकांक के 50 से 100 के बीच में होने पर भी ऐसे मरीजों को परेशानी होती है। लेकिन इसके 300 से ऊपर जाने से स्वस्थ्य व्यक्ति भी प्रभावित हो रहा है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में कांग्रेस की जीत का सेहरा या हार का ठीकरा, दोनों दिल्ली के सिर

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में इस बार चुनाव के दौरान प्रदेश कांग्रेस की कमान पूरी तरह राष्ट्रीय नेताओं के हाथों में रही। दिल्ली से आये नेताओं ने पूरी पार्टी को ऐसा संभाला कि प्रदेश के नेताओं की टीम कहीं दिखी ही नहीं। रिसर्च विंग से लेकर पार्टी के कई बड़े नेता बिहार में ही या तो कैम्प किये रहे या फिर आते-जाते रहे। लिहाजा परिणाम आया तो जीत का सेहरा जहां उनके मत्थे होगा तो हार का ठीकरा भी वहीं फूटेगा। प्रदेश के नेताओं को हाई कमान के पास कोई दलील पेश करने की जरूरत नहीं होगी। बिहार कांग्रेस का यह पहला चुनाव है, जिसमें टिकट बंटवारे के अलावा प्रदेश के नेताओं की कोई बड़ी भूमिका नहीं दिखी। राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पूरी कमान खुद संभाल रखी थी। सोशल मीडिया की कमान रोहन गुप्ता के हवाले थी। मीडिया प्रबंधन की जिम्मेवारी राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेडा ने

संभाल रखी थी। हालांकि इस काम में पार्टी ने प्रेमचन्द मिश्रा को भी लगाया था। लेकिन, बिना सुरजेवाला की मंजूरी के कोई बात मीडिया तक नहीं पहुंचे, इसकी व्यवस्था पार्टी की राष्ट्रीय टीम ने कर रखी थी। सुरजेवाला पूरे चुनाव बिहार से हिले तक नहीं। इसीके साथ प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा अपने चुनाव में तो विधायक दल के नेता सदानंद सिंह अपने पुत्र के चुनाव तक ही सिमटे रहे। उम्मीदवारों के चयन का जिम्मा प्रदेश की टीम को मिला तो वर्चस्व की लड़ाई सामने आ गई। पहले चरण के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा होते ही पार्टी के कई नेता प्रदेश अध्यक्ष श्री झा और अभियान समिति के अध्यक्ष डा. अखिलेश सिंह से लेकर बिहार प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल तक पर आरोप लगाने लगे। नतीजा हुआ कि कुछ सीटों पर पार्टी हाईकमान को फिर से विचार करना पड़ा। लिहाजा सीट बंटवारे का काम खत्म होते ही दिल्ली की पूरी टीम बिहार में कैम्प कर गई। रिसर्च टीम ने सगुना मोड पर बड़ा वार रूम बना लिया। वहां लगभग सौ से अधिक तकनीकी विशेषज्ञों की टीम लगी रही। पार्टी मुख्यालय में हर रोज नये वीडियो बनाये जा रहे थे। नये नारे गढ़े जा रहे हैं। पार्टी के नेता प्रेसवार्ता में भी बोलते कम हैं। उनकी कोशिश होती है छोटी-छोटी फिल्में दिखकर अपनी बातों को सामने वाले के दिल में उतार दें। यही प्रयास चुनावी सभाओं में होता रहा। अब नेता दिल्ली के थे तो प्रचार का रंग भी अनूठा था।

प्रेरणास्त्रोत, विकास में भूमिका...

पीएम मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की नींव रखने वाले नेताओं में शुमार वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। आडवाणी आज 93 साल के हो गए। प्रधानमंत्री ने लालकृष्ण आडवाणी को बधाई देते हुए कहा, भाजपा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ देश के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले श्रद्धेय श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। वे पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं के साथ ही देशवासियों के प्रत्यक्ष प्रेरणास्रोत हैं। मैं उनकी लंबी आयु और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना करता हूं। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में उपप्रधानमंत्री रहे लालकृष्ण आडवाणी देश के गृहमंत्री का पदभार भी संभाल चुके हैं। 1947 के बंटवारे के बाद सिंध से आकर मुंबई बसे आडवाणी को भारत के दूसरे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया जा चुका है।

कंपनी अनिश्चितकाल के लिए ब्लैकलिस्ट नहीं की जा सकती–सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि किसी कंपनी को सरकार अनिश्चितकाल के लिए ब्लैकलिस्ट नहीं कर सकती है। ब्लैकलिस्ट करने का आदेश व्यावसायिक व्यक्ति के खिलाफ न सिर्फ मौजूदा समय में क्रियाशील रहता है, बल्कि यह उसे दागी भी बना देता है। यह दाग काफी दूर तक जाता है और यह संस्थान के लिए मौत का कारण भी बन सकता है, जिसे सिविल डेथ कहते हैं। ये टिप्पणियां करते हुए जस्टिस आर एफ नरीमन की पीठ ने 2009 में ब्लैकलिस्ट की गई फॉर्मा कंपनी वेट इंडिया फॉर्मा लि. का प्रतिबंध निरस्त कर दिया। कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने का आदेश यूपी एनिमल हजबेंडरी विभाग ने दिया था। आदेश में कहा गया था कि कंपनी ने निम्न मानकों वाली पशु दवाएं आपूर्ति की हैं। बैन में कहा गया था कि कंपनी द्वारा आपूर्ति की गईं ऑक्सी टेट्रासाइक्लिन इंजेक्शन की दवाएं राज्य विश्लेषक ने अपनी रिपोर्ट में निम्न स्तर की पाई थीं। इसके बाद कपनी को सरकारी ठेका लेने से रोक दिया गया। कंपनी ने इस आदेश को 2019 में बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, पर कोर्ट ने देरी से याचिका दायरा करने के आधार पर ये अपील खारिज कर दी थी। इसके बाद वह शीर्ष अदालत गई। पीठ ने आदेश में कहा कि राज्य सरकार के आदेश में ऐसा

नहीं लिखा था कि कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने का इरादा है या उसे ब्लैकलिस्ट करने पर विचार हो रहा है। यदि यह साफ होता तो कंपनी अपना जवाब अच्छे तरीके से देती। कोर्ट ने कहा कि हमने अपने पूर्व के आदेश में साफ कहा है कि तीन साल से ज्यादा और अधिकतम पांच साल तक का प्रतिबंध अनुचित होता है। कोर्ट ने कहा कि जहां तक याचिका में देरी का सवाल है तो रिट याचिका दायर करने में कोई अनुत्तरित देरी नहीं है।

अर्नब गोस्वामी को फिलहाल राहत नहीं, जमानत पर हाई कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शनिवार को रिपब्लिक टीवी के संपादक अर्नब गोस्वामी की अंतरिम जमानत याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया, अर्नब को आत्महत्या के मामले में 2018 के अपहरण के मामले में अलीबाग पुलिस ने गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति एसएस शिंदे और न्यायमूर्ति एम एस कार्णिक की खंडपीठ ने कहा कि वह जल्द से जल्द इस आदेश को सुनाने की कोशिश करेगी। बता दें कि अर्नब गोस्वामी बुधवार से न्यायिक हिरासत में हैं। पीठ ने मामले में गिरफ्तार किए हुए अर्नब और दो अन्य लोगों, फिरोज शेख और नितीश सारदा को भी नियमित जमानत के लिए अलीबाग में सत्र न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की अनुमति दी और कहा कि अदालत चार दिनों के भीतर इस पर विचार करे। तीनों 18 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में हैं। बुधवार को, रिपब्लिक टीवी के संपादक ने अपनी गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया और तत्काल राहत की मांग की। उनकी कानूनी टीम ने तर्क दिया कि उनकी गिरफ्तारी और हिरासत अवैध थी। अप्रैल 2019 में ए-

सारांश रिपोर्ट दर्ज करने के बाद ये मामला बंद कर दिया गया था और एक आवश्यक अदालत के आदेश के बिना इसकी फिर से जांच की जा रही थी। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि पुलिस अधिकारी पहले संबंधित न्यायिक मजिस्ट्रेट से आवश्यक आदेश प्राप्त किए बिना मामले को फिर से खोल नहीं सकते थे। शेख और सारदा ने सूट का पालन किया और HC में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी। महाराष्ट्र सरकार ने शनिवार को दलीलों का जवाब दिया, जिसमें कहा गया कि बी और सी सारांश रिपोर्टों के विपरीत, ए-सारांश रिपोर्ट बंद नहीं हैं, और इसलिए, आगे की जांच के लिए मजिस्ट्रेट से कोई अनुमति आवश्यक नहीं है। सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील अमित देसाई ने कहा कि ए-सारांश यह दर्शाता है कि शिकायत में लगाए गए आरोप सही हैं, लेकिन किसी को भी पर्याप्त सबूत के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है। क्र सारांश का अर्थ है कि आरोप झूठे पाए जाते हैं, जबकि ष्ट सारांश इंगित करता है कि कोई अपराध नहीं बताया गया है। इस प्रकार, देसाई ने दावा किया कि ए-सारांश रिपोर्ट एक अपूर्ण जांच को दर्शाती है और एक क्लोजर रिपोर्ट नहीं लगाई जा सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपी को नियमित जमानत की अर्जी दाखिल करने के लिए प्रभावी विकल्प उपलब्ध था; बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करना जमानत अर्जी का कोई विकल्प नहीं था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

रेल पटरियों पर कब्जा

भला इससे हास्यास्पद और क्या हो सकता है कि किसानों को उकसाकर रेल पटरियों पर बैठाने वाली पंजाब सरकार रेलवे से सवाल कर रही है कि उसके यहां यात्री ट्रेनें और मालगाड़ियां क्यों नहीं चल रही हैं? वह केवल यह विचित्र सवाल ही नहीं पूछ रही, बल्कि यह भी कह रही है कि हम यात्री ट्रेनों को सुरक्षा देने की स्थिति में नहीं हैं। इसी आधार पर वह रेलवे से मालगाड़ियां चलाने का आग्रह कर रही है। क्या इसका यही मतलब नहीं कि पंजाब सरकार जानबूझकर ऐसी स्थिति बनाए रखना चाहती है, जिससे राज्य में यात्री ट्रेनें न चल सकें? यह समझ से परे है कि पंजाब सरकार मालगाड़ियां चलाने लायक तो स्थितियां पैदा कर सकती है, लेकिन ऐसी नहीं कि उनके साथ यात्री ट्रेनें भी चल सकें। क्या वह यह कहना चाहती है कि मालगाड़ियों वाले रेलमार्ग अलग हैं और यात्री ट्रेनों वाले अलग? यदि नहीं तो क्या वह किसानों को केवल मालगाड़ियां जाने देने के लिए राजी कर सकती है, लेकिन इसके लिए नहीं मना सकती कि वे यात्री ट्रेनों को भी चलने दें? क्या इसका सीधा अर्थ यह नहीं कि नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलनरत पंजाब के किसान संगठन उसके ही इशारे पर रेल पटरियों पर बैठे हुए हैं? पंजाब में जनविरोधी राजनीति का जैसा उदाहरण पेश किया जा रहा है, उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। पंजाब सरकार एक ओर यह शिकायत कर रही है कि मालगाड़ियां न चलने से कोयले की आपूर्ति बाधित है और उसके चलते बिजली संयंत्रों के बंद होने की नौबत आ गई है और दूसरी ओर किसानों को रेल पटरियों से हटाने में तत्परता दिखाने के लिए तैयार नहीं। इससे खराब बात और कोई नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए कोई राज्य सरकार ही रेल मार्ग बाधित कराकर अपने लोगों को तंग करने का काम करे। यह सस्ती राजनीति का एक और उदाहरण है। यह उदाहरण तब पेश किया जा रहा है, जब सुप्रीम कोर्ट बार-बार कह चुका है कि धरना-प्रदर्शन के नाम पर रेल अथवा सड़क मार्ग बाधित करना गैर कानूनी और जनता के साथ अन्याय है। अभी हाल में दिल्ली की नाक में दम करने वाले कुख्यात शाहीन बाग धरने को लेकर फैसला देते हुए भी उसने यही कहा था कि आंदोलन के नाम पर सार्वजनिक स्थलों पर काबिज नहीं हुआ जा सकता। पंजाब के विभिन्न किसान संगठन सितंबर से ही रेल पटरियों पर काबिज हैं? क्या राजनीतिक दलों के समर्थन के बगैर किसानों का रेल पटरियों पर बैठे रहना संभव है? सवाल यह भी है जिस राज्य के सबसे अधिक किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज बेचते हों, उन्हें गुमराह क्यों किया जा रहा है?

आज के ट्वीट

कारोबार

आज गुजरात में समुद्री कारोबार से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और कैपेसिटी बिल्डिंग पर तेज़ी से काम चल रहा है। जैसे गुजरात मेरीटाइम क्लस्टर, गुजरात समुद्री विश्वविद्यालय, भावनगर में सीएनजी टर्मिनल, ऐसी अनेक सुविधाएं गुजरात में तैयार हो रही हैं। -- PM

अर्थव्यवस्था को नए पंख

– डॉ. श्रीकांत श्रीवास्तव

कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के बाद देश की अर्थव्यवस्था में गतिरोध की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। सरकार ने इस गतिरोध को दूर करने के लिए समय से पूरे प्रयास किए। पीएमजीकेवाई के तहत पौने दो लाख करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया। पैकेज का उद्देश्य था कि प्रभावित लोगों को हर प्रकार से मदद पहुंचाना। छोटे और मंझोले कारोबारी, महिलाएं और गैर संस्थागत क्षेत्रों में काम करने वाले कारीगरों को विशेष रूप से मदद पहुंचायी गयी। इस बात का प्रयास किया कि लोगों को लॉकडाउन के कारण खाद्यान्न की कमी न पड़ने पाए। पीएमजीकेवाई के तहत मुफ्त राशन वितरण की व्यवस्था पूरे देश में एकसाथ की गई। सरकार का यह बहुत कल्याणकारी कदम था जिसका फायदा लोगों को मिला। अनलॉक की प्रक्रिया जैसे-जैसे शुरू हुयी, अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सरकार ने फिर एक बड़ा कदम उठाया और 20 लाख करोड़ रुपए का एक बड़ा आर्थिक पैकेज दिया। इस पैकेज को मोटे तौर पर तीन हिस्सों में बांटकर देखा जा सकता है। पहला फौरी सहायता के रूप में ऐसे लोगों को मदद पहुंचायी गयी जिन्हें पैसों की जरूरत थी। इसके तहत खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था को और आर्थिक मदद दी गई। छोटे और मंझोले कारोबारियों को आसान शर्तों पर कर्ज की सुविधा दी गयी। बड़े उद्योगों के लिए विशेष रूप से मदद दी गयी। समाज के हर तबके के बीच, समावेशी विकास का प्रयास किया गया। किसानों के लिए पैकेज दिया गया। यही नहीं तीन विशेष कानूनों के जरिए किसानों को परंपरागत खेती की जगह आधुनिक खेती के उपयुक्त बनाया गया। अतिरिक्त रूप से किसानों की आय बढ़ाने वाले कदम उठाए गए। पीएम किसान निधि के तहत किसानों को आर्थिक मदद पहुंचायी गयी। सरकार ने इस बात का प्रयास किया कि प्रधानमंत्री ने 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का जो संकल्प लिया है वह समय से पूरा हो। यह एक बहुत बड़ी चुनौती थी लेकिन इन कानूनों के बन जाने के बाद कृषि के क्षेत्र में विकास का नया मार्ग प्रशस्त हुआ है। सबसे बड़ी चीज यह रही है कि वन नेशन वन मार्केट एक देश और एक बाजार की नीति को सरकार ने स्वीकार किया और उसे लागू किया। एक देश और एक बाजार से किसान अपना सामान देश में कहीं भी बेच सकता है। किसानों को ई-सुविधा से जोड़ा गया। किसान घर बैठे देश की विभिन्न मंडियों मे अपनी शर्तो पर सौदा करने में सक्षम हुआ है। सरकार ने छोटे और मंझोले कारोबारियों की समस्याओं को देखते हुए आसान शर्तों पर उन्हें कर्ज की सुविधा मुहैया कराई। रेहड़ी पटरी दुकानदारों के लिए पीएम स्वनिधि योजना शुरू की गई, जिसमें उन्हें आसान शर्तों पर कर्ज मुहैया कराया गया और इसमें कैशबैक की भी सुविधा दी गई। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस योजना के तहत काफी काम हुआ है। सरकार ने छोटे और मंझोले कारोबारियों को उनका कारोबार आसान करने के संबंध में भी मदद की। बड़े उद्योगों को भी सरकार ने मदद दी और उसमें एफडीआई को महत्व दिया गया ताकि विदेशी निवेश से देश के बड़े उद्योगों को नई उड़ान मिल सके। एक एतिहासिक पहल के तहत सरकार ने जीएसटी वस्तु और सेवा कर लागू किया था। भारतीय अर्थव्यवस्था में जीएसटी ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कौटिल्य ने अपने ﷺअर्थशास्त्रﷺ में लिखा था कि राजा को मधुमक्खी की तरह कर संग्रह करना चाहिए। जैसे मधुमक्खी फूलों से पराग लेती है, लेकिन फूलों को कष्ट नहीं होता, वैसे ही राजा को चाहिए कि वह लोगों से इस प्रकार से कर ले कि लोगों को पता भी ना चले और राज्य का खजाना भी भर जाए। अक्टूबर 2020 में वस्तु और सेवा कर राजस्व संग्रह एक लाख पाँच हजार करोड़ रुपये हुआ है। इसमें से सीजीएसटी 19193 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 25411 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 52540 करोड़ रुपये तथा सेस 8011करोड़ रुपये है। अक्टूबर माह के लिए 31 अक्टूबर 2020 तक दाखिल किए गए जीएसटीआर 3बी रिटर्न की कुल संख्या 80 लाख है। सरकार ने नियमित निपटान के रूप में आईजीएसटी से सीजीएसटी के लिए 25091करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 19427 करोड़ रुपये का निपटान किया है। अक्टूबर 2020 में नियमित निपटान के बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा अर्जित राजस्व के लिए 44285 करोड़ रुपए और एसजीएसटी के लिए 44839करोड़ रुपये है। इस महीने प्राप्त जीएसटी राजस्व पिछले वर्ष इसी महीने में प्राप्त राजस्व से 10 प्रतिशत अधिक है। यह आने वाले समय में निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में इससे मदद मिलेगी। जीएसटी का बेहतर संग्रह इस बात को साबित करता है कि सरकार ने जीएसटी का जो ढांचा बना रखा है वह इतना उपयुक्त है कि इसके दायरे में अधिक से अधिक लोगों को शामिल किया जा सका है। इसी महीने यानी अक्टूबर के दौरान पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व की तुलना, माल के आयात से राजस्व 9 प्रतिशत अधिक था और घरेलू लेनदेन सेवाओं के आयात से राजस्व में 11 प्रतिशत अधिक था। जीएसटी राजस्व में वृद्धि जुलाई-अगस्त सितंबर 2020 की तुलना में क्रमश ऋणनात्मक 14, 8 और 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसके अलावा सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने अपने जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की कमी को पूरा करने के लिए राज्यों का विशेष विंडो के तहत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों को दूसरी किस्त के रूप में छह हजार करोड़ रुपये की राशि जारी की। यह राशि चार दशमलव चार-दो प्रतिशत भारित औसत ब्याज पर जुटाई गयी थी। सरकार आगे भी राज्यों को ऐसी ही मदद के कदम उठा सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने जो सबसे बड़ी चुनौती है वह है बाजार को गति देना। बाजार को गति देने के लिए आवश्यक है कि मांग बढ़ाई जाए। मांग बढ़ाने के लिए पहली शर्त है कि लोगों के हाथों में पैसा दिया जाए। सरकार इस बात का पूरा प्रयास कर रही है कि उपभोक्ताओं के हाथों में पैसा आए ताकि वे मांग उत्पन्न कर सकें। बाजार में मांग उत्पन्न हो। जब बाजार में मांग उत्पन्न होगी तब आपूर्ति चेन मजबूत होगी। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में आपूर्ति और बहाल होगी। इस समय रोजगार देना काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। इसलिए सरकार का सारा प्रयास रोजगार पर है। प्रवासी मजदूरों की स्किल मैपिंग, उनका पुनर्वास इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। यह मुद्रास्फीति जनित मंदी से भी अर्थव्यवस्था को उबारने में मदद करेगा। लोगों की आय में इजाफा होगा और मांग बढ़ेगी। (लेखक, भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी हैं।)

ज्ञान गंगा

दान

श्रीराम शर्मा आचार्य

दान का अर्थ है देवत्व के अनुरूप देते रहने की वृत्ति को जिंदा रखना। शास्त्र कहता है-सौ हाथों से कमाओ, हजार हाथों से बांटो। दुनिया में सम्मान उनके लिए ही सुरक्षित है जो देते रहते हैं, पर बदले में कम पाने पर भी अपना काम चला लेते हैं। दो और पाओ, बोओ और काटो, बांटो और झोली भर लो का सिद्धांत एक शात सत्य के रूप में सदा से कार्य करता आया है। आज का समय बड़ी अभूतपूर्व घड़ियों में आया है। यह एक असाधारण समय है। ऐसे में धन-साधन के बाद सबसे महत्वपूर्ण जिसे माना गया है, वह है-समयदान। यह सभी के लिए सुलभ है। यदि समयदान के साथ श्रद्धा का पुट और लग जाए, तो लोक मंगल के अनेक कार्य संभव हैं। महान् मनीषियों की साधना समय की तपःशिला पर बैठकर ही संपन्न हुई है। लोकसेवियों ने समयदान के सहारे अनेक असंभव कार्य कर दिखाए हैं। परंतु यह कार्य तभी बन पड़ता है, जब अंतराल की गहराई से आदशरे के राजमार्ग पर चलने के लिए बेचैन करने वाली टीस निरंतर उठती है। आज आस्था संकट रूपी दुर्भिक्ष जब प्रेत-पिशाच की तरह चढ़ा हुआ है, समयदान को युगधर्म मानकर तत्काल उसमें जुटना होगा। श्रेष्ठ कार्य यदि सामने हो तो उसे तुरंत करना चाहिए, यह उक्ति चरितार्थ करते हुए युगसंधि महापुरचरण की वेला में सभी को बढ़-चढ़कर समयदान करना चाहिए। दान-पुण्य शब्द एक साथ मिलकर बोले जाते हैं और इनके प्रतिफल भी समानांतर बताए जाते हैं। अध्यात्म की भाषा में इनकी महत्ता स्वर्ग, मुक्ति, सिद्धि, वरदान, चमत्कार आदि के रूप में कही जाती है और बोलचाल की भाषा में इन्हें प्रगति, सफलता, वरिष्ठता और प्रदाता तक बताया जाता है। दान अर्थात् देना, यही पुण्य है। लेना अर्थात् अधिकारों का अपहरण, यही पाप है। पाप की परिणति लौकिक और पारलौकिक क्षेत्र में अवगति-दुर्गति स्तर की होती है। नरक इसी का आलंकारिक प्रतिपादन है। दोनों में से अपनी गतिविधियां किस पक्ष के साथ विनियोजित करना है, यह मनुष्य की अपनी इच्छाओं की बात है। परिस्थितियां कई बार इस चयन के विपरीत दबाव भी डालती देखी गई हैं पर अंततः होता वही है, जिस पर इच्छा-शक्ति संकल्प बनकर केंद्रीभूत होती है।

आज का राशिफल

मेष अर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक उत्सव में हिस्सेदारी लेंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सचेत रहें। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। भारी व्यय की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे।

सिंह आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। आर्थिक उन्नति के योग हैं। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। नए अनुबंध मिलेंगे। नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

धनु व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

मीन राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

किताबें ही बदलेंगी उनकी किस्मत

सिकंदर बिजेंजो, युवा अर्थशास्त्री और समाजसेवी

पाकिस्तान के बलूचिस्तान सूबे में शाशान पहाड़ियों के बीच एक दरिया बहता है नाल, उसी के नाम पर छोटा सा शहर बसा है। कई कबीलों और अल्पसंख्यक हिंदुओं की आबादी वाले इसी नाल शहर से सिकंदर बिजेंजो आते हैं। बिजेंजो वहां का एक कबिलाई समुदाय है। बलूचिस्तान पाकिस्तान का वह बदनसीब सूबा है, जिसके पास अकूत प्राकृतिक संपदा है, मगर इसका फायदा मुल्क के दूसरे प्रदेश और इलाके ही उठाते रहे। बलूचों के हिस्से सिर्फ हिकारत आई। इसकी तस्दीक यूएनडीपी की ताजा रिपोर्ट कर देती है, जिसके मुताबिक, यहां की 71 फीसदी आबादी गुरबत की जिंदगी जी रही है। बलूचिस्तान के पिछड़ेपन की एक और ठोस नजीर यह है कि इसके 32 में से 31 जिले तालीम और इलाज के मेयार पर पाकिस्तान में बदतर आंके गए हैं। अपने पुरखों की धरती की महरूमियों व एहसासों ने सिकंदर का पूरा किरदार गढ़ा, और उनके भीतर इसकी खिदमत का जज्बा मजबूत होता गया। साल 2014 में मोनाश यूनिवर्सिटी (मलेशिया) से 'बैचलर ऑफ बिजनेस ऐंड कॉमर्स' की डिग्री लेने के बाद सिकंदर लंदन चले गए और यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एशिया से साल 2016 में उन्होंने डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स में एमएससी की डिग्री हासिल की। उनके पास बाहर काम करने के कई मौके थे, मगर उन्हें अपने पुरखों का कर्ज चुकाना था। वह पाकिस्तान लौट आए। मुल्क लौटते ही उन्हें मनपसंद जिम्मेदारी भी मिल गई। दरअसल, पाकिस्तान में साल 2013 से ही 'अलिफ एलान' नाम से एक मुहिम चल रही थी, जो अवाम में तालीम को लेकर जागरूकता पैदा करने से जुड़ी थी। सिकंदर को इसके कराची के 'रिजनल कैंपेन ऑर्गेनाइजर' का दायित्व सौंपा गया। उस पद पर रहते उन्होंने जो काम किया, वह किसी भौगोलिक दायरे में सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने बलूचिस्तान में भी कार्यशालाएं आयोजित कीं और मुहिम से जुड़े लोगों को बताया कि कैसे वे अपने समय व ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल कर सकते हैं। समावेशी शिक्षा और लैंगिक समानता सिकंदर की उच्च शिक्षा के दो अहम क्षेत्र रहे हैं। इन दोनों ही विषयों की उन्हें गहरी समझ है। सिंध हुकूमत और कराची के स्थानीय प्रशासन को भी उनकी इस काबिलियत का फायदा मिला है। कराची के सरकारी स्कूलों की बेहतरी से जुड़ी योजनाओं में कई नए उपायों का श्रेय सिकंदर को जाता है। इन दिनों वह कराची स्कूल ऑफ बिजनेस ऐंड लीडरशिप में बतौर प्रोग्राम मैनेजर नए उद्यमियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में रह रहे सिकंदर को नाल हमेशा पुकारता है। तभी तो, जब महामारी ने पाकिस्तान को अपनी चपेट में लिया, उन्हें सबसे ज्यादा चिंता बलूचिस्तान के उन लोगों की हुई, जो व्यवस्था के हाशिये पर जीते हैं। वह बेचैन हो उठे कि कैसे उन लोगों की मदद की जाए? वह किसी तरह उनके पास पहुंचना चाहते थे। सिकंदर ने अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर 'बलूचिस्तान यूथ अगेंस्ट कोरोना' की शुरुआत की। शुरू-शुरू में क्वेटा के 40 नौजवानों ने यह फैसला किया कि वे अपनी जेब से खर्च कर यह पता लगाएंगे कि गरीबों में भी सबसे गरीब कौन है, कहां से इमदाद मिल सकती है, और किसको किस चीज की जरूरत है, वगैरह-वगैरह! बलूचिस्तान में कानून-व्यवस्था का मसला कितना बड़ा है, यह पूरी दुनिया जानती है। ऐसे में, सिकंदर के लिए यह काम कम जोखिम भरा नहीं था। तब तो और, जब अभावग्रस्त लोगों के बीच सीमित संसाधनों के साथ पहुंचना हो। लेकिन कहते हैं, सवाब के काम में फरिश्ते भी हाथ बंटाते हैं। सिकंदर और उनके नेक साथियों की मुहिम से लोग जुड़ते गए और चंद घरानों की मदद से शुरू हुआ यह इमदादी काम सैकड़ों में फैल गया। बलूचिस्तान के 42 छोटे-बड़े शहरों के हजारों परिवारों तक मदद पहुंचने लगी। सिकंदर को पता चला कि इस दारुण दौर में भी कुछ ऐसे लोग और परिवार हैं, जिनके घरों में खाने को कुछ भी नहीं, फिर भी वे मांग नहीं रहे। ऐसे घरों के आगे 'बलूचिस्तान यूथ अगेंस्ट कोरोना' के वॉलंटीयर्स रसद और जरूरी सामान रखकर कुंडी खटकाकर ओझल हो जाते थे। जाहिर है, परदादारी की यह सलाहियत अपनी मिट्टी से बेलौस मोहब्बत ही दे सकती है। सिकंदर की इस मुहिम ने बिल गेट्स को भी उनका मुरीद बना दिया है। 'गुमनाम नायकों' की अपनी फेहरिस्त में सिकंदर बिजेंजो को शामिल करते हुए माइक्रोसॉफ्ट के मालिक ने उनकी भरपूर सराहना की है। सिकंदर और उनके साथी बलूचिस्तान में इसी तर्ज पर पुस्तकालयों की श्रृंखला शुरू कर रहे हैं, ताकि इंटरनेट और तालीमी इदारों के अभाव में कोई प्रतिभाशाली बच्चा या नौजवान पीछे न रह जाए। अब तक वह बलूचिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में 15,000 से अधिक किताबें पहुंचा चुके हैं। सिकंदर की मुहिम को मशहूर उपन्यासकार पाउलो काइलो ने समर्थन दिया है और दुनिया भर के लोगों से अपील की है कि वे सिकंदर के लिए पुस्तक दान करें।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एफपीआई ने नवंबर के पांच कारोबारी सत्रों में 8,381 करोड़ रुपए निवेश किए

नई दिल्ली: विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर के पहले पांच कारोबारी सत्रों में भारतीय बाजारों में 8,381 करोड़ रुपए निवेश किए। कारोबारी गतिविधियों की बहाली और उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के चलते इस दौरान प्रतिभागियों का भरोसा बढ़ा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इक्विटी में सकल आधार पर 6,564 करोड़ रुपए और ऋण खंड में 1,817 करोड़ रुपए का निवेश किया। इस तरह 2-6 नवंबर के बीच कुल 8,381 करोड़ रुपए का निवेश किया गया। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय बाजारों में शुद्ध 22,033 करोड़ रुपए की खरीदारी की थी। मॉर्निंग स्टार इंडिया के संयुक्त निदेशक- शोध प्रबंधक - हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अर्थव्यवस्था को खोलने, व्यावसायिक गतिविधियों की बहाली और उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों ने भारतीय बाजारों में निवेशकों की दिलचस्पी बरकरार रखी है। उन्होंने कहा कि भारत में कोविड-19 के मामलों में कमी और अमेरिकी डॉलर के रुख में कमजोरी के चलते भी निवेशकों की भावनाएं मजबूत हुईं। श्रीवास्तव ने कहा कि ऋण खंड में निवेश के लिए अन्य कारकों के साथ ही आरबीआई द्वारा घोषित हालिया उपायों ने एफपीआई निवेश को आकर्षित किया। ग्रोव के सह-संस्थापक और सीओओ हर्ष जैन ने कहा कि भारत में सभी सेक्टरों में विदेशी निवेश आया और अच्छी गुणवत्ता वाली कंपनियों में निवेश किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी चुनाव परिणाम के बाद निवेशकों की भावना में अधिक स्थिरता की उम्मीद की जा सकती है।

बीते सप्ताह सरसों तेल तिलहन, सोयाबीन तेल और पाम एवं पामोलीन तेल कीमतों में सुधार, मूंगफली में गिरावट

नयी दिल्ली, पाम तेल का आयात शुल्क मूल्य बाजार भाव से कम स्तर पर रखे जाने जाने के बाद दिल्ली तेल तिलहन बाजार में पिछले सप्ताह सीपीओ, पामोलीन दिल्ली और पामोलीन कांडला तेल की कीमतों में सुधार आया। निर्यात मांग खत्म होने से मूंगफली दाना और मूंगफली में गिरावट आई। सामान्य कारोबार के बीच त्यौहारी मांग निकलने से सरसों तेल तिलहन में सुधार आया। सस्ते आयात के मुकाबले मांग कमजोर होने से जहां सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज के भाव में गिरावट आई। सोयाबीन तेल का आयात शुल्क मूल्य बाजार भाव से ऊंचा रखे जाने से इसकी कीमतों में सुधार आया।पाक्षिक समीक्षा में सरकार ने सोयाबीन तेल का शुल्क-मूल्य 949 डालर प्रतिटन रखा जबकि विदेशों में कांडला डिवरी भाव 890 डालर का चल रहा था। इसके उलट पाम तेल का शुल्क निर्धारण के लिए मूल्य बढ़ा कर 782 डालर प्रति टन कर दिया जबकि कांडला डिलीवरी भाव 810 डालर का था। जिससे मलेशियायी व्यापारियों को फायदा हुआ । बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि आगरा की सलोनी मंडी में सरसों का भाव अपने पिछले सप्ताह के 6,650 रुपये से बढ़ाकर 6,675 रुपये क्विन्टल रहा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मौसम ठीक न होने के कारण अभी तक सरसों की बुआई अपेक्षा से लगभग 30 प्रतिशत कम हुई है। इस स्थिति में सरसों दाना सहित इसके तेल कीमतों में सुधार आया। उन्होंने कहा कि इस साल किसानों को सरसों के अच्छा दाम मिलने से आगे बुआई और बढ़ सकती है और इसलिए आगे बुआई के रकबे में वृद्धि होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। सूत्रों ने कहा कि निर्यात की मांग न होने तथा मंडियों में आवक के बढ़ने तथा सस्ते आयातित तेलों के मुकाबले महंगा होने के कारण मूंगफली दाना सहित इसके तेलमें गिरावट आई। उन्होंने कहा कि मांग कमजोर होने और विदेशों से सस्ते आयात के कारण सोयाबीन दाना की मांग प्रभावित हुई और इसकी कीमतों में समीक्षाधीन सप्ताहांत में गिरावट देखने को मिली वहीं पूरी दुनिया में हल्के तेल की मांग बढ़ने और वैश्विक स्तर पर इस तेल की कमी के साथ ब्लेंडिंग के लिए मांग बढ़ने से सोयाबीन तेल कीमतों में सुधार आया। सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान सोयाबीन दाना और लूज की कीमतें कुल मिला कर क्रमशः 35 - 35 रुपये की गिरावट के साथ जहां क्रमशः 4,300-4,360 रुपये और 4,180-4,210 रुपये प्रति क्विन्टल पर बंद हुई वहीं वैश्विक स्तर पर हल्के तेलों की मांग बढ़ने से सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के भाव समीक्षाधीन सप्ताहांत में क्रमशः 250 रुपये, 150 रुपये और 300 रुपये सुधरकर 10,750 रुपये, 10,500 रुपये और 9,650 रुपये क्विन्टल पर बंद हुए।

वाणिज्य मंत्रालय का पोत परिवहन विभाग से आग्रह, बोले- चीन से आने वाले जहाजों का पृथकवास का समय घटे

नई दिल्ली:

वाणिज्य मंत्रालय ने पोत परिवहन और स्वास्थ्य मंत्रालयों से चीन के बंदरगाहों से आने वाले जहाजों के लिए अनिवार्य 14 दिन के पृथकवास की अवधि को घटाने का अनुरोध किया है। सूत्रों ने कहा कि इससे जहाजों का माल चढ़ाने और उतारने का काम तेजी से हो सकेगा और कंटेनरों की उपलब्धता भी बढ़ेगी। सूत्रों ने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय ने पृथकवास की अवधि को 14 दिन से घटाकर सात दिन करने का आग्रह किया है। एक अन्य सूत्र ने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय ने इस बारे में 22 अक्टूबर को पत्र भेजा है। मार्च में पोत परिवहन महानिदेशालय ने बंदरगाहों को निर्देश जारी किया था कि चीन के बंदरगाहों से आने वाले जहाजों को भारतीय बंदरगाह पर आने से पहले 14 दिन का पृथकवास पूरा करना होगा। कोरोना वायरस महामारी की वजह से ये दिशानिर्देश जारी किए गए थे। निर्यातकों के संगठन फियो ने कहा है कि पृथकवास की अवधि को 14 से घटाकर सात दिन करने से ढुलाई की लागत घटेगी और साथ ही कंटेनरों की उपलब्धता भी बढ़ेगी। फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, ''यह एक तर्कसंगत कदम है। इससे ढुलाई की लागत को घटेगी ही, साथ ही कंटेनरों की उपलब्धता भी बढ़ेगी। कई मालवाहक जहाज कंपनियां 14

दिन के पृथकवास की वजह से भारतीय बंदरगाहों पर नहीं आ रही हैं। पृथकवास का समय घटने से उनके लिए सकारात्मक संकेत जाएगा।''

बिल्डरों को मांग के तेजी पकड़ते ही बिक्री शुरू करने के लिए कहा: PNB हाउसिंग

नई दिल्ली:

लॉकडाउन के बाद आर्थिक गतिविधियां जैसे-जैसे सुधर रही हैं, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस बिल्डरों के पास बचे तैयार घरों पर बारीकी से नजरें बनाए हुए है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हरदयाल प्रसाद ने कहा कि आवास ऋण की मांग सामान्य होने लगी है। ऐसे में बिल्डरों को बिक्री शुरू करने के लिये कहा जा रहा है। प्रसाद ने कहा, ''आर्थिक गतिविधि अभी भी कम है लेकिन इसने उबरना शुरू कर दिया है। कुछ क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधि स्पष्ट रूप से पूर्व-कोविड स्तर पर वापस आ रही है। जब हम बिल्डरों, हमारी बिक्री टीम और लोगों से बातें करते हैं तथा जमीन पर उतरते हैं तो उबरने के संकेत मिलते हैं।' उन्होंने कहा, ''हमसे जिस तरह की जानकारियां मांगी जाती हैं, इस मामले में हम कोविड से पहले के स्तर के करीब 80-85 प्रतिशत पर पहुंच चुके हैं।' इन सब के अतिरिक्त कई बिल्डर निः शुल्क पार्किंग, शून्य स्टाम्प ड्यूटी जैसे आकर्षक ऑफर भी पेश कर रहे हैं।

एफपीआई ने नवंबर के पांच कारोबारी सत्रों में 8,381 करोड़ रुपये निवेश किए

नयी दिल्ली. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर के पहले पांच कारोबारी सत्रों में भारतीय बाजारों में 8,381 करोड़ रुपये निवेश किए। कारोबारी गतिविधियों की बहाली और उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के चलते इस दौरान प्रतिभागियों का भरोसा बढ़ा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इक्विटी में सकल आधार पर 6,564 करोड़ रुपये और ऋण खंड में 1,817 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस तरह 2-6 नवंबर के बीच कुल 8,381 करोड़ रुपये का निवेश किया गया। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय बाजारों में शुद्ध 22,033 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। मॉर्निंग स्टार इंडिया के संयुक्त निदेशक- शोध प्रबंधक - हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अर्थव्यवस्था को खोलने, व्यावसायिक गतिविधियों की बहाली और उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों ने भारतीय बाजारों में निवेशकों की दिलचस्पी बरकरार रखी है। उन्होंने कहा कि भारत में कोविड-19 के मामलों में कमी और अमेरिकी डॉलर के रुख में कमजोरी के चलते भी निवेशकों की भावनाएं मजबूत हुईं। श्रीवास्तव ने कहा कि ऋण खंड में निवेश के लिए अन्य कारकों के साथ ही आरबीआई द्वारा घोषित हालिया उपायों ने एफपीआई निवेश को आकर्षित किया। ग्रोव के सह-संस्थापक और सीओओ हर्ष जैन ने कहा कि भारत में सभी सेक्टरों में विदेशी निवेश आया और अच्छी गुणवत्ता वाली कंपनियों में निवेश किया जा रहा है।

नोटबंदी के चार साल पूरे, पीएम मोदी ने कहा- कालेधन को कम करने में मिली मदद

नई दिल्ली।

आज नोटबंदी के चार साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी के चार साल पूरे होने पर कहा कि इससे काले धन को कम करने में मदद मिली है, कर जमा करने में वृद्धि हुई है और पारदर्शिता बढ़ी है। मोदी ने आज ट्विटर पर विमुद्रीकरण के अपनी सरकार के फैसले के लाभों को गिनाया। उन्होंने ट्वीट किया, 'नोटबंदी ने कालेधन को कम करने में, कर अनुपालन बढ़ाने में तथा पारदर्शिता सुदृढ़ करने में मदद की है।' बता दें कि 8 नवंबर 2016 को पीएम नरेंद्र मोदी ने 1000 और 500 रुपए के नोटों को बंद करने का फैसला लिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने नोटबंदी से हुए फायदों के आंकड़ों की भी जानकारी दी। जिसके मुताबिक, नोटबंदी के कारण दस लाख से अधिक कैश जमा करने वाले वे तीन लाख लोग चिह्नित हुए जो आइटी रिटर्न नहीं फाइल करते थे। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठ नवंबर 2016 की रात आठ बजे 500 और 1,000 के नोटों को बंद करने की घोषणा की थी। बाद में सरकार ने पांच सौ और दो हजार के नए नोट जारी किए थे।

नोटबंदी के फैसले से कालेधन पर रोक लगी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज नोटबंदी के चार साल पूरे होने पर ट्वीट किया जिसमें उन्होंने लिखा है कि, 'देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए आज से चार साल पहले लागू किए गए नोटबंदी के फैसले से कालेधन पर रोक लगी, और टैक्स के मोर्चे पर बेहतर कंप्लायंस देखने को मिला है। डिजिटल इकोनॉमी को मजबूती मिली। नोटबंदी के बाद कराये गए सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई कि करोड़ों रुपये की अघोषित संपत्ति का पता चला। 'ऑपरेशन क्लीन मनी' से देश की अर्थव्यवस्था को संगठित करने में मदद मिली।'

UPI ट्रांजैक्शन में बढ़ोतरी

सरकारी आंकड़ों के अनुसार डिजिटल ट्रांजैक्शन की संख्या और वैल्यू बड़ी तेजी से बढ़ी है। साल 2016-17 में UPI से लेन देन 6952 करोड़ रुपये का रहा था, जो कि वित्त वर्ष 2019-20 में बढ़कर 21 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। अक्टूबर 2020 में मंथली UPI ट्रांजैक्शन बढ़कर 200 करोड़ रुपये के पार चला गया, जिससे ये पता चलता है कि UPI का इस्तेमाल देश भर में तेजी से बढ़ा है।

करदाता की संख्या बढ़ी

बता दें कि नोटबंदी लागू होने क एक साल बाद ही करदाता की संख्या में 33 लाख की बढ़ोतरी हुई। मतलब कि जो लोग टैक्स चोरी करते थे वे भी अब टैक्स के दायरे में आना शुरू हो गए। 2016 के नवंबर से 2017 के 31 मार्च तक कुल 1.96 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए, जबकि वित्त वर्ष 2015-16 में 1.63 करोड़ और वित्त वर्ष 2014-15 में 1.23 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए थे।

जीएसटीएन ने एक साथ तीन लाख उपयोगकर्ताओं को संभालने के लिए बुनियादी ढांचे को उन्नत किया

नयी दिल्ली,

जीएसटीएन ने रविवार को कहा कि जीएसटी नेटवर्क के बुनियादी ढांचे को उन्नत बनाया गया है, ताकि एक साथ तीन लाख उपयोगकर्ताओं को संभाला जा सके। वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कहा कि इसके अलावा स्वतः निकासी वाले बिक्री फॉर्म जीएसटीआर-3बी को पीडीएफ के रूप में पेश किया गया है, जो अक्टूबर 2020 की कर अवधि और उसके बाद से उपलब्ध होगा। जीएसटीएन ने एक बयान में कहा कि इनपुट टैक्स क्रेडिट की स्वतः निकासी के साथ पीडीएफ साझा पोर्टल (जीएसटीएन) पर 12 नवंबर 2020 से उपलब्ध होगा। जीएसटीएन ने कहा कि उसने गेटवे (एक साथ उपयोगकर्ताओं की संख्या) की क्षमता को 1.5 लाख से बढ़ाकर तीन लाख कर दिया है। बयान में कहा गया कि लॉकडाउन में राहत के बाद अप्रत्यक्ष कर गतिविधियों में करदाताओं की संख्या तेजी से बढ़ने की उम्मीद के चलते ऐसा किया गया है। बयान में आगे कहा गया कि जरूरत पड़ने पर इस क्षमता को पांच लाख तक बढ़ाया जा सकता है।

अब गाय सिर्फ बछियों को ही देंगी जन्म, खोजी गई स्वदेशी तकनीक

नई दिल्ली।

नेशनल डेयरी डेवलपमेन्ट बोर्ड (एनडीडीबी) की सहायक इकाई एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज़ ने आज स्वदेश में विकसित आधुनिक तकनीक की घोषणा की है जिसके द्वारा मवेशियों के सेक्स-सोर्टिंग (शुक्राणुओं की छंटाई) प्रणाली से स्टेशन में की गई थी। उन्होंने कहा कि मवेशियों के शुक्राणुओं की छंटाई के लिए मौजूद तकनीक कुछ बहु राष्ट्रीय कंपनियों के स्वामित्व में हैं, जिसके चलते डेयरी सिर्फ मादा बछड़े के जन्म को सुनिश्चित किया जा सकता है। एनडीडीबी के अध्यक्ष दिलीप रथ ने यहां जारी बयान में कहा कि यह तकनीक भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज़ द्वारा किए गए परीक्षण के परिणाम वास्तविक परिस्थितियों में उत्पाद के प्रदर्शन को सुनिश्चित करते हैं। अक्टूबर 2020 में चेन्नई के नज़दीक एक फार्म में इसी तकनीक के द्वारा मादा बछड़े का जन्म हुआ, जिसके लिए शुक्राणुओं की छंटाई अलमाधी सीमेन किसान इसका लाभ नहीं उठा सकते, क्योंकि लागत की दृष्टि से यह उनके अनुकूल नहीं रहती। सिर्फ मादा बछड़े के जन्म को सुनिश्चित करने से डेयरी किसान को बहुत अधिक आर्थिक फायदा होता है, क्योंकि नर बछड़े की आर्थिक उपयोगिता न के बराबर होती है। श्री रथ ने कहा कि एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज़ ने शुक्राणुओं की छंटनी कर बनाई गई खुराक की लागत को कम करने के लिए कुछ साल पहले स्वदेशी तकनीक का विकास किया, ताकि इसे देश के डेयरी किसानों के लिए किफ़ायती बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाएगा। स्वदेशी तकनीक से छंटनी कर बनाई गई शुक्राणुओं की खुराक उद्योग जगत में गुणवत्ता तथा उत्पादन के मानकों के समकक्ष पाई गई है। एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज़, उत्पादक कंपनियों एवं उत्पादकता संवर्धन सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए फील्ड संचालन हेतु एनडीडीबी की डिलीवरी शाखा के रूप में काम करती है। इस प्रकार, अब तक 15 दूध उत्पाक कंपनियों की स्थापना की जा चुकी है। एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज़ देश में चार बड़े सीमेन स्टेशनों का प्रबंधन भी करती है। एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज़ ने स्वदेशी सेक्स- सोर्टिंग (शुक्राणुओं की छंटाई) तकनीक के विकास के लिए बैंगलोर आधारित आर एंड डी संस्थान जीवा साइन्सेज़ के साथ साझेदारी की है। कंपनी के प्रबंध निदेशक सौगत मित्रा ने कहा कि इस तकनीक उपयोग के द्वारा कृत्रिम प्रजनन की मौजूदा लागत (1000रुपये) को कम करेगी। यह देश में बेकार मवेशियों की समस्या को हल करने में महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगी। श्री मित्रा ने कहा कि छंटाई कर बनाई गई शुक्राणुओं की खुराक जनवरी 2021 से देश में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध होगी और किसानों की आय दोगुना करने में उल्लेखनीय योगदान देगी।

CII का वित्त मंत्रालय को पत्र, दबाव वाले क्षेत्रों के लिए ECLGS योजना का सुझाव

नई दिल्ली:

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर वित्तीय दबाव झेल रहे व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) लाने का सुझाव दिया है। सीआईआई ने कहा है कि रोजगारपरक क्षेत्रों पर लम्बे समय तक दबाव से अर्थव्यवस्था का सुधार प्रभावित हो सकता है। सीआईआई ने विशेषरूप से होटल, पर्यटन विमानन और खुदरा जैसे सेवा क्षेत्रों के लिए इस तरह की योजना निकालने की जरूरत पर बल दिया है। उद्योग मंडल ने रविवार को कहा कि उसने दबाव वाले क्षेत्रों की मदद के लिए हस्तक्षेप का आग्रह किया है। सीआईआई ने कहा कि इससे इस साल राजकोषीय घाटे पर असर नहीं पड़ेगा, बल्कि ऐसे क्षेत्रों को नकदी उपलब्ध हो सकेगी, जो बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, ''हम सरकार के समक्ष राजस्व संकट और इसके राजकोषीय घाटे पर

प्रभाव को समझते हैं। जिस तरह एमएसएमई क्षेत्र के लिए ऐसी योजना लाई गई है, अन्य क्षेत्रों के लिए भी लाई जानी चाहिए। इससे सभी को फायदा होगा।%%

सरकार ने आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) तथा कारोबार क्षेत्र के लिए तीन लाख करोड़ रुपए के गारंटीमुक्त ऋण की योजना ईसीएलजीएस की घोषणा की थी। इस योजना के तहत अभी तक 2.03 लाख करोड़ रुपए का ऋण मंजूर किया गया है और 1.48 लाख करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं। यह योजना 31 अक्टूबर को समाप्त हो रही थी, जिसे अब बढ़ाकर 30 नवंबर कर दिया गया है।

बाइडेन की एच-1बी वीजा पर निगाह रहेगी भारतीय आईटी क्षेत्र की

नयी दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)उद्योग के संगठन नास्कॉम ने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन की जीत का स्वागत किया है। नास्कॉम ने कहा है कि भारत का आईटी क्षेत्र अमेरिका की नयी सरकार के साथ मिलकर वहां प्रौद्योगिकी, कौशल और डिजिटल बदलाव के लिए काम करना चाहता है। अमेरिका भारत के आईटी क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार है। उद्योग के राजस्व में अमेरिकी बाजार का सबसे बड़ा हिस्सा है। नास्कॉम ने ट्वीट किया, ''नास्कॉम निर्वाचित राष्ट्रपति बाइडेन को उनकी जीत की बधाई देता है। हम बाइडेन प्रशासन के साथ अमेरिका में प्रौद्योगिकी, कौशल और डिजिटल बदलाव के लिए काम करने लेकर काफी इच्छुक हैं।'' नास्कॉम ने चालू वित्त वर्ष में आईटी क्षेत्र का राजस्व 7.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 191 अरब डॉलर रहने का अनुमान लगाया है। भारत की आईटी कंपनियों की निगाहें एच-1बी वीजा पर बाइडेन के रुख और नीतियों पर रहेंगी। भारत के बड़ी संख्या में प्रौद्योगिकी पेशेवरों द्वारा इस वीजा का इस्तेमाल किया जाता है। इस साल जून में कोविड-19 महामारी के दौरान डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी सहित कई गैर-आव्रजक वीजा श्रेणियों में पेशेवरों के अमेरिका में प्रवेश पर साल के अंत तक रोक लगा दी थी। एच-1बी गैर-आव्रजक वीजा है जो

अमेरिकी कंपनियों को विशेषज्ञता वाले पदों पर विदेशी पेशेवरों की नियुक्ति की अनुमति देता है। इस वीजा के जरिये अमेरिकी कंपनियां हजारों की संख्या में भारत और चीन के पेशेवरों की नियुक्ति करती हैं। नास्कॉम ने कहा, ''उसकी सदस्य कंपनियों का अमेरिका में महत्वपूर्ण इतिहास है। वे अमेरिका में फॉर्चून-500 की करीब तीन-चौथाई कंपनियों के साथ काम करती हैं।

इंतजार खत्म! दरभंगा में शुरू हुई हवाई सेवा, लैंड हुई पहली फ्लाइट

बिजनेस डेस्क-

लंबे इंतजार के बाद आज से बिहार के दरभंगा में हवाई सेवा की शुरुआत हो चुकी है। आज पहली फ्लाइट बैंगलुरु से दरभंगा एयरपोर्ट पर पहुंची। स्पाइसजेट के इस विमान को वाटर कैनन सैल्यूट देकर स्वागत किया गया। दरभंगा एयरपोर्ट के शुरू होने पर समस्त मिथिलावासियों को हवाई यात्रा करने में काफी आसानी होगी। विमानों के लिए टिकट बुकिंग पिछले महीने ही शुरू हो गई थी। दरभंगा से दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु के हवाई यात्रा के लिए स्पाइस जेट के वेबसाइट पर टिकट बुक करा सकते हैं।

मुंबई फ्लाइट

बता दें कि मुंबई से दरभंगा के लिए फ्लाइट मुंबई में सुबह 9.40 बजे उड़ान भरेगा और दरभंगा 12.10 बजे पहुंचेगी। सप्ताह के सातों दिन आपको सर्विस मिलेगी। दरभंगा-मुंबई फ्लाइट दरभंगा से दोपहर 12.40 बजे रवाना होगी और मुंबई 3.10 बजे पहुंचेगी।

बेंगलूरू फ्लाइट

बेंगलुरू-दरभंगा फ्लाइट बेंगलुरू से सुबह 8.45 बजे उड़ान भरेगी और दरभंगा सुबह 11.15 बजे पहुंच जाएगी। दरभंगा-बेंगलुरू फ्लाइट शाम को 4.25 बजे उड़ान भरेगी और बेंगलुरू 6.55 बजे पहुंच जाएगी।

दिल्ली फ्लाइट

दिल्ली-दरभंगा फ्लाइट शाम को 2.10 बजे उड़ान भरेगी और 3.55 बजे पहुंच जाएगी। दरभंगा-दिल्ली फ्लाइट दरभंगा से सुबह 11.45 बजे उड़ान भरेगी और दोपहर के 1.30 बजे पहुंच जाएगी। स्पाइसजेट दिल्ली-दरभंगा, बेंगलुरु-दरभंगा और मुंबई-दरभंगा रूट पर डेली फ्लाइट ऑपरेट करेगी।

सितंबर तिमाही में विदेशी शराब की बिक्री में नौ प्रतिशत की गिरावट- सीआईएबीसी

नई दिल्ली-

चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में भारत निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) की बिक्री 8.98 प्रतिशत कम होकर 780 लाख पेटियों पर आ गयी। उद्योग संगठन सीआईएबीसी के आंकड़ों में यह पता चला है। शराब बनाने वाली कंपनियों के संगठन कंफेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज इंडस्ट्री (सीआईएबीसी) के अनुसार, पिछले साल की समान तिमाही में 857 लाख पेटी आईएमएफएल की बिक्री हुई थी। एक पेटी का मतलब नौ लीटर शराब है। सीआईएबीसी भारतीय मादक पेय पदार्थ उद्योग का शीर्ष निकाय है। हालांकि सितंबर तिमाही के दौरान शराब की बिक्री में जून तिमाही की तुलना में सुधार आया है। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के दौरान यानी अप्रैल से सितंबर तक देश भर में आईएमएफएल की बिक्री 1,220 लाख पेटी रही है। यह साल भर पहले की समान अवधि के 1,720 लाख पेटी की तुलना में 29.06 प्रतिशत कम है। उद्योग संगठन का कहना है कि दूसरी तिमाही में शराब की बिक्री में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन पहली तिमाही ने असल नुकसान किया है। पहली तिमाही के दौरान लॉकडाउन के चलते कुछ समय देश भर में शराब की बिक्री बंद रही थी। सीआईएबीसी के अनुसार, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और राजस्थान जैसे राज्यों में शराब की बिक्री में अधिक गिरावट देखने को मिली। इसका कारण है कि इन राज्यों ने लॉकडाउन के बाद शराब की बिक्री शुरू होने पर कोरोना कर लगाया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

मेस्सी के दो गोल से बार्सीलोना ने बेटिस को हराया

बार्सीलोना । स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे स्टार खिलाड़ी लियोनल मेस्सी के दो गोल की बदौलत बार्सीलोना ने ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में 10 खिलाडियों के साथ खेल रहे रीयाल बेटिस को 5-2 से हराकर चार मैचों के बाद जीत दर्ज की। मैच के दौरान बार्सीलोना के उभरते हुए खिलाड़ी अंसू फाती हालांकि चोटिल हो गए। बार्सीलोना ने पहले हाफ में मेस्सी को आराम दिया था क्योंकि इस स्टार खिलाड़ी ने महसूस किया कि बुधवार को चैंपियन्स लीग में डाइनेमो कीव के खिलाफ 2-1 की जीत के बाद उन्हें उबरने के लिए अधिक समय की जरूरत है। एक साल से भी अधिक समय में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में यह मेस्सी का पहला लीग मैच था। इस बीच जाओ फेलिक्स के दो गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने केडीज के खिलाफ 4-0 की एकतरफा जीत के साथ अंक तालिका के शीर्ष पर जगह बनाई। बार्सीलोना की टीम अभी आठवें स्थान पर चल रही है।

लंका प्रीमियर लीग : पहले मैच में कोलंबो किंग्स का सामना कैंडी टस्कर्स से

कोलंबो।

लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) का पहला संस्करण 26 नवंबर से शुरू होगा, जिसमें पहले मैच में कोलंबो किंग्स का सामना कैंडी टस्कर्स से होगा।

इस टूर्नामेंट में तीन अन्य टीमें भी भाग ले रही है, जिसमें गॉल ग्लेडिएटर्स, डांबुला हॉक्स और जाफना स्टेलियंस शामिल है। 23 मैचों की एलपीएल लीग में हर दिन दो मैच खेले जाएंगे। लीग के दो सेमीफाइनल 13 और 14 दिसंबर को जबकि फाइनल 16 दिसंबर को खेला जाएगा। सभी मैच हंबनटोटा के महिंदा राजपक्षे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने एक बयान में कहा, उद्घाटन समारोह 3.30 बजे जबकि मैच शाम के 7.30 बजे से शुरू होंगे। 27 नवंबर से चार दिसंबर तक के मैच रात आठ बजे से शुरू होंगे। भारतीय टीम के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान लंका प्रीमियर लीग के पहले संस्करण में कैंडी टस्कर्स के लिए खेलेंगे। इससे पहले, भारत के मनप्रीत गोनी और मनविंदर बिस्ला को कोलंबो किंग्स ने चुना था, लेकिन दोनों भारतीयों ने इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था।

उनके अलावा वेस्टइंडीज के आलराउंडर आंद्रे रसेल और दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस सहित पांच विदेशी खिलाड़ियों ने भी एलपीएल से अपना नाम वापस ले लिया था।

तोक्यो में शुरू हुआ एक दिवसीय जिम्नास्टिक मीट का आयोजन

तोक्यो।

तोक्यो ओलंपिक खेलों के लिए अच्छी खबर है कि जापान में रविवार को कई हजार दर्शकों की मौजूदगी में एकदिवसीय प्रदर्शनी जिम्नास्टिक मीट का आयोजन किया गया जिसमें रूस, चीन और अमेरिका के 22 खिलाड़ियों के हिस्सा लिया। जापान के भी आठ खिलाड़ी इस प्रतियोगिता का हिस्सा थे। विदेशी खिलाड़ियों ने घर में 14 दिवसीय पृथकवास में हिस्सा लिया और तोक्यो के होटल में भी उन्हें पृथकवास के कड़े नियमों के बीच रखा गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन यह दर्शाने के लिए किया गया था कि स्थगित हो चुके तोक्यो ओलंपिक का आयोजन समय पर किया जा सकता है। नौ महीने से कुछ कम समय में तोक्यो ओलंपिक का आयोजन होना है। ओलंपिक में हालांकि बड़ी संख्या में खिलाड़ी और अधिकारी हिस्सा लेंगे। अगले साल होने वाले खेलों में 206 देशों और क्षेत्रों के 11000 खिलाड़ियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। इनमें से लगभग सभी देश कोरोना वायरस से प्रभावित हैं। इसके अलावा 4400 पैरालंपियन और हजारों अधिकारी, जज, वीआईपी, मीडिया, प्रसारणकर्ता और प्रायोजकों को भी जापान में प्रवेश करना होगा।

बुंदेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट : क्रूज ने लगातार 16वीं पेनल्टी को गोल में बदला

बर्लिन।

मैक्स क्रूज ने पेनल्टी किक पर लगातार 16वां गोल दागकर बुंदेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट के रिकॉर्ड की बराबरी की जिससे यूनियन बर्लिन ने आर्मीनिया बेलफेल्ड को 5-0 से शिकस्त दी। जर्मनी के स्ट्राइकर क्रूज ने दूसरे हाफ की शुरुआत में पेनल्टी को गोल में बदलकर बुंदेसलीगा में हेन्स जोकिम एबेल के रिकॉर्ड की बराबरी की। एबेल ने फोरच्यूना डसेलडोर्फ, बोकुम और शाल्के की ओर से 1973 से 1984 के बीच पेनल्टी पर लगातार 16 गोल दागे थे। बर्लिन की टीम की ओर से क्रूज के अलावा जापान के मिडफील्डर केइता एंडो, रोबर्ट एंड्रिच, शेराल्डो बेकर और सेड्रिक ट्यूचर्ट ने भी गोल दागे।

पेरिस मास्टर्स फाइनल : मेदवेदेव से भिड़ेंगे ज्वेरेव, नडाल हारे

पेरिस ।

जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल पर सीधे सेटों में हराकर पेरिस मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने शनिवार को नडाल को 6-4, 7-5 से हराकर स्पैनियार्ड पर अपनी दूसरी जीत दर्ज की। ज्वेरेव ने टूर्नामेंट की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा- उसे खेलना आसान नहीं है। जाहिर तौर पर रिकॉर्ड यह कहता है, इस मैच से पहले मैं पांच में से एक था, इसलिए जाहिर है कि मास्टर्स श्रृंखला के एक और फाइनल में पहुंचने से बेहद खुश हूं। यह बहुत अच्छा है और कल एक और मुश्किल मुकाबला होने वाला है। शीर्ष वरीयता प्राप्त नडाल 2007 के बाद पहली बार पेरिस फाइनल में पहुंचने के लिए आगे बढ़े थे जब उन्होंने डेविड जार्जियन को हराया था। ज्वेरेव ने कहा- मुझे लगता है कि वह शानदार खेल रहे हैं। उन्होंने दो सीधे टूर्नामेंट जीते और यहां फिर से अच्छा खेला। जर्मन चौथी सीड अब रूसी तीसरी वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव से मुकाबला करेंगे। वहीं, नडाल ने पेरिस में अपने प्रयासों पर बात करते हुए कहा- पूरे कार्यक्रम के दौरान मेरा सही रवैया था, मुझे लगता है कि हर मैच में लडना जरूरी है। नडाल ने कहा- मुझे कुछ चीजों को समायोजित करने की जरूरत है, लेकिन मैं सभी महत्वपूर्ण चीजों पर अच्छा कर रहा हूं। मेरे पास कुछ चीजों पर काम करने के लिए समय है, मुझे आशा है कि मैं वापसी करूंगा।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व विश्व चैम्पियन ब्लादिमीर क्रामनिक नें जीता रजूवेव मेमोरियल शतरंज

मॉस्को (निकलेश जैन) रूस शतरंज संघ द्वारा आयोजित रजूवेव मेमोरियल ऑनलाइन शतरंज चैंपियनशिप का खिताब पूर्व विश्व चैम्पियन रूस के ग्रांड मास्टर व्लादिमीर नें जीत लिया प्ले ऑफ फ़ाइनल मे उन्होने ग्रांड मास्टर एवगेनी टोमशेवेस्की को 1.5-0.5 पराजित करते है पहला स्थान हासिल किया । 6 नवंबर को आठ खिलाड़ियों के बीच इसे 5+3 ब्लिट्ज़ फॉर्मेट मे खेला गया । 7 राउंड के बाद प्रतियोगिता मे एवगेनी टोमशेवेस्की और ब्लादिमीर क्रामनिक क्रमशः 6 और 5 अंक बनाकर पहले और दूसरे स्थान पर रहे जबकि रूस के इयान नेपोंनियची 5 अंक बनाकर टाईब्रेक मे तीसरे स्थान पर रहे जबकि इज़राइल के बोरिस गेलफंड 3.5 अंक बनाकर चौंथे ,रूस के मिखाइल कोबालिया 3 अंक बनाकर पांचवे ,रूस के अलेक्ज़ेंडर मोत्येलेव छठे ,फ्रांस के जोएल लुटियर 2 अंक बनाकर सातवे और रूस के ब्लादिमीर पोटकिन आठवे स्थान पर रहे । इसके बाद पहले दो स्थान पर रहे एवगेनी और क्रामनिक के बीच प्ले ऑफ मे विजेता बनने का फाइनल मुक़ाबला हुआ जिसमें दो मुकाबलों मे क्रामनिक नें एक जीत और एक ड्रॉ से जीत हासिल की । यूरी सर्गेइविच रजुएव रूस के एक महान लेखक, खिलाड़ी और कोच थे जिनका 2012 में 67 वर्ष की आयु में निधन हो गया था । इस टूर्नामेंट मे खेलने वाले सभी खिलाड़ी कभी का कभी उनके छात्र रहे थे ।

आईपीएल दुनिया का सबसे अच्छा घरेलू टी-20 टूर्नामेंट : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली।

हैदराबाद के खिलाफ क्वालिफायर 2 शुरू होने से पहले दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग ने टीम की कमजोरियों और ताकत पर बात की। पोंटिंग ने कहा- मुझे लगता है कि मेरा मूड कभी-कभी खिलाडियों से कहीं ज्यादा बढ़ जाता है। जाहिर है हमने इतनी अच्छी शुरुआत की। एक चरण में हम 7 जीत और 2 हार के साथ बैठे थे। पिछले कुछ सप्ताह से हम अपनी सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेल पाए थे। शीर्ष क्रम पर साझेदारी नहीं हो पाई। फिर गेंद के साथ फिनिश नहीं कर पाए। हमने इन चीजों पर बात की है। लड़के मेहनत कर रहे हैं, उम्मीद है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। वहीं, आरसीबी के खिलाफ हुए पिछले मैच पर पोंटिंग ने कहा- उस गेम के विभिन्न समयों में मैं एनिमेटेड था। लेकिन अंत में हमारे पास अच्छी यादें आईं। पिछले कुछ हफ्तों में हमने सबसे अच्छा खेल खेला। इस टूर्नामेंट में कोचिंग करना बहुत मजेदार है, निश्चित रूप से खिलाडियों के लिए खेलना भी। शायद यह दुनिया का सबसे अच्छा घरेलू टी-20 टूर्नामेंट है। यहां कोचिंग में बहुत मजा आता है जब आप डगआउट में बैठे होते हो।

पोंटिंग ने कहा- जाहिर है एक खिलाड़ी या कप्तान के रूप में आप कुछ कर सकते हैं और कोच के रूप में आप कभी-कभी असहाय होते हैं। हमने इस खेल के लिए अपनी तैयारी को नहीं बदला है। हमने कठिन या कम प्रशिक्षण नहीं लिया है। हमारी बैठकें छोटी और बिंदु तक रही हैं।

एकेंटल टेनिस टूर्नामेंट : बर्थडे वाले दिन खिताबी मुकाबले में हारे रामकुमार

एकेंटल । भारतीय टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन को चैलेंजर सर्किट में एक बार फिर उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा जब वह एकेंटल टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को यहां अमेरिका के सबेस्टियन कोर्डा के खिलाफ हार गए। अपना 26वां जन्मदिन मना रहे गैरवरीय भारतीय को खिताबी मुकाबले में दुनिया के 135वें नंबर के खिलाड़ी और सातवें वरीय कोर्डा के खिलाफ एक घंटे और 23 मिनट में 4-6 4-6 से हार झेलनी पड़ी। यह पांचवां मौका हैं जब रामकुमार को चैलेंजर सर्किट में उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। रामकुमार इससे पहले तालाहासी (अप्रैल 2017), विनेटका (जुलाई 2017), पुणे (नवंबर 2017) और ताइपे (अप्रैल 2018) में उप विजेता रह चुके हैं। रामकुमार का हालांकि 2020 में यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है जिसके लिए उन्हें 7200 यूरो की इनामी राशि और 60 रैंकिंग अंक मिले। यह भारतीय खिलाड़ी एटीपी एकल रैंकिंग में अब 206 से 185वें स्थान पर पहुंच जाएगा। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन कोर्डा ने सेट जीत लिया। दूसरे सेट में मुकाबला अधिक करीबी था लेकिन 4-4 के स्कोर पर सर्विस करते हुए रामकुमार 40-0 से आगे थे लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार पांच अंक और अपनी सर्विस गंवा दी। कोर्डा ने इसके बाद अपनी सर्विस पर ऐस के साथ मैच और चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किया और रामकुमार ने फोरहैंड रिटर्न नेट पर मारने पर जीत दर्ज की।

कोलकाता में ट्रैफिक नियंत्रण करने वाले गरानी बने भारतीय टीम के थ्रो-डाउन विशेषज्ञ

कोलकाता. नागरिक पुलिस वालंटियर के रूप में कोलकाता की व्यस्त सड़क पर ट्रैफिक को नियंत्रित करने वाले दयानंद गरानी ने शायद कभी सोचा नहीं होगा कि वह विराट कोहली और दूसरे भारतीय बल्लेबाजों के सामने 22 गज की दूरी पर गेंद लेकर खड़े होंगे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली भारतीय टीम के दुबई के बायो-बबल में जब किसान पिता के 28 साल के इस बेटे ने थ्रो-डाउन विशेषज्ञ के रूप में प्रवेश किया तो उन्हें भी लगा कि सपने भी सच होते हैं। पूर्वी मिदनापुर जिले के सूदूर गांव जमातिया के इस थ्रो-डाउन विशेषज्ञ ने दुबई से पीटीआई-भाषा को फोन पर बताया, '' मुझे जब इस बारे में बताया गया था तब मैं हैरान रह गया था, इसे मानने में मुझे थोड़ा समय लगा। जब मैंने इस बारे में अपने पिता को बताया तो वह भी चौंक गये और उन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया।'' थ्रो-डाउन विशेषज्ञ का काम बल्लेबाजों को तेज गेंदबाजी के खिलाफ अभ्यास कराना होता है। गरानी इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में किंग्स इलेवन पंजाब का हिस्सा है। टूर्नामेंट में टीम का अभियान खत्म होने के बाद वह भारत आने की तैयारी कर रहे थे तभी बीसीसीआई ने उनसे संपर्क कर के बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जायेंगे। टीम के नियमित थ्रो-डाउन विशेषज्ञ रघवेन्द्र (रघु) कोविड-19 की चपेट में है।

कोहली को बेंगलोर की कप्तानी से नहीं हटाना चाहिए : सहवाग

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि विराट कोहली को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की कप्तानी से नहीं हटाना चाहिए। बेंगलोर को शुक्रवार को खेले गए लीग के 13वें सीजन के एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद ने छह विकेट से हरा दिया। बेंगलोर ने 2016 में फाइनल खेला था, लेकिन हैदराबाद ने उसे जीतने नहीं दिया। 2017 में वो आखिरी स्थान पर रही थी और 2018 में वह छठे और 2019 में फिर आखिरी स्थान पर रही थी। इसके बाद भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा था की टीम को अब कप्तान विराट कोहली का विकल्प तलाशना होगा। सहवाग ने क्रिकबज से कहा, कप्तान के लिए एक बेहतर टीम होना बेहद जरूरी है। यही विराट कोहली जब भारतीय टीम के कप्तान होते हैं तो नतीजे अलग होते है। वह टेस्ट, वनडे और टी 20 सीरीज जीतते हैं, लेकिन जब बेंगलोर के लिए खेलते हैं तो इनकी टीम उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है वो जीतते नहीं है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि कप्तान के पास अच्छी टीम होनी बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि टीम प्रबंधन को कप्तान बदलने के बारे में नहीं सोचना चाहिए।

पीएसजी शानदार लय में, लगातार 8वां लीग मैच जीता

पेरिस ।

एंजेल डि मारिया के दो गोल की मदद से चोटों से जूझ रहे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने सोमवार को यहां रेनेस को 3-0 से हराकर फ्रेंच फुटबॉल लीग में लगातार आठवीं जीत दर्ज की। पीएसजी के लिए डि मारिया के अलावा मोइसे कीन ने भी एक गोल दागा। गत चैंपियन पीएसजी ने इस जीत के साथ अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी बढ़त को पांच अंक का कर लिया है। लीग में अब तक अजेय लिली के पास हालांकि रविवार को ब्रेस्ट को हराकर पीएसजी की बढ़त को दो अंक तक सीमित करने का मौका होगा। पीएसजी को चोटिल स्टार फारवर्ड नेमार और काइलन एमबापे के अलावा मिडफील्डर मार्को वेराटी और सेंटर हाफ प्रेसनेल किम्पेंबे की कमी खली जबकि गोलकीपर केलोर नवास लंतिम लम्हों में फिटनेस परीक्षण पास करने में सफल रहे। शनिवार को खेले गए एक अन्य मैच में मिडफील्डर फ्लोरेंट मोलेट और स्ट्राइकर एंडी डेलोर्ट के गोल की बदौलत मोंटपेलियर ने बोरडेक्स को 2-0 से शिकस्त दी।

चेल्सी ने शेफील्ड यूनाईटेड को हराया

चेल्सी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग मुकाबले में शेफील्ड यूनाईटेड को 4-1 से हराकर सभी प्रतियोगिताओं में लगातार चौथी जीत दर्ज की। शेफील्ड को नौवें मिनट में ही डेविड मैकगोल्ड्रिक ने बढ़त दिला दी थी। वह 17 अक्टूबर को साउथम्पटन के डिफेंडर यानिक वेस्टरगार्ड के बाद चेल्सी के खिलाफ गोल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। सितंबर में चेल्सी से जुड़ने वाले गोलकीपर

एडवर्ड मेंडी के खिलाफ यह पहला गोल है। चेल्सी ने हालांकि पिछड़ने के बाद टैमी इब्राहिम, बेन चिलवेल, थियागो सिल्वा और टिमो वर्नर के गोल की बदौलत जीत दर्ज की। चेल्सी के दो गोल में हाकिम जियेच की अहम भूमिका रही।

गोल्डन बेबी लीग में हिस्सा लेने के लिए मैच के दिन 70 किमी की यात्रा की बच्चों ने

नयी दिल्ली। गोल्डन बेबी लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले सत्र में 350 से अधिक बच्चों ने भाग लिया और इस दौरान कई अड़चनों को भी पार किया जिसमें पहाड़ी राज्य मेघालय में मैच के दिन 70 किमी की यात्रा करना भी शामिल है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की वेबसाइट ने लीग के संचालक गिल्बर्ट जैकसन के हवाले से कहा, ''पहली गोल्डन बेबी लीग में हम प्रत्येक मैच के दिन हितधारकों और क्लबों को दूर-दराज के इलाकों से लेकर आए। उन्होंने कहा- कई इलाकों के क्लबों और विभिन्न समुदायों के बच्चों ने इसमें हिस्सा लिया। कई बच्चे तो मैच के दिन सुबह छह बजे उठकर 70 किमी का सफर करते थे। गोल्डन बेबी लीग परियोजना को एआईएफएफ ने 2018 में 6-12 साल के बच्चों के लिए शुरू किया था। इसका लक्ष्य लिंग, धर्म, आर्थिक हालात और नस्ली भेदभाव के बिना फुटबॉल की सुविधाएं मुहैया कराना है। इस परियोजना के पीछे विचार यह है कि लड़के और लड़कियों की नई पीढ़ी कम उम्र से ही खेल खेलना शुरू करे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

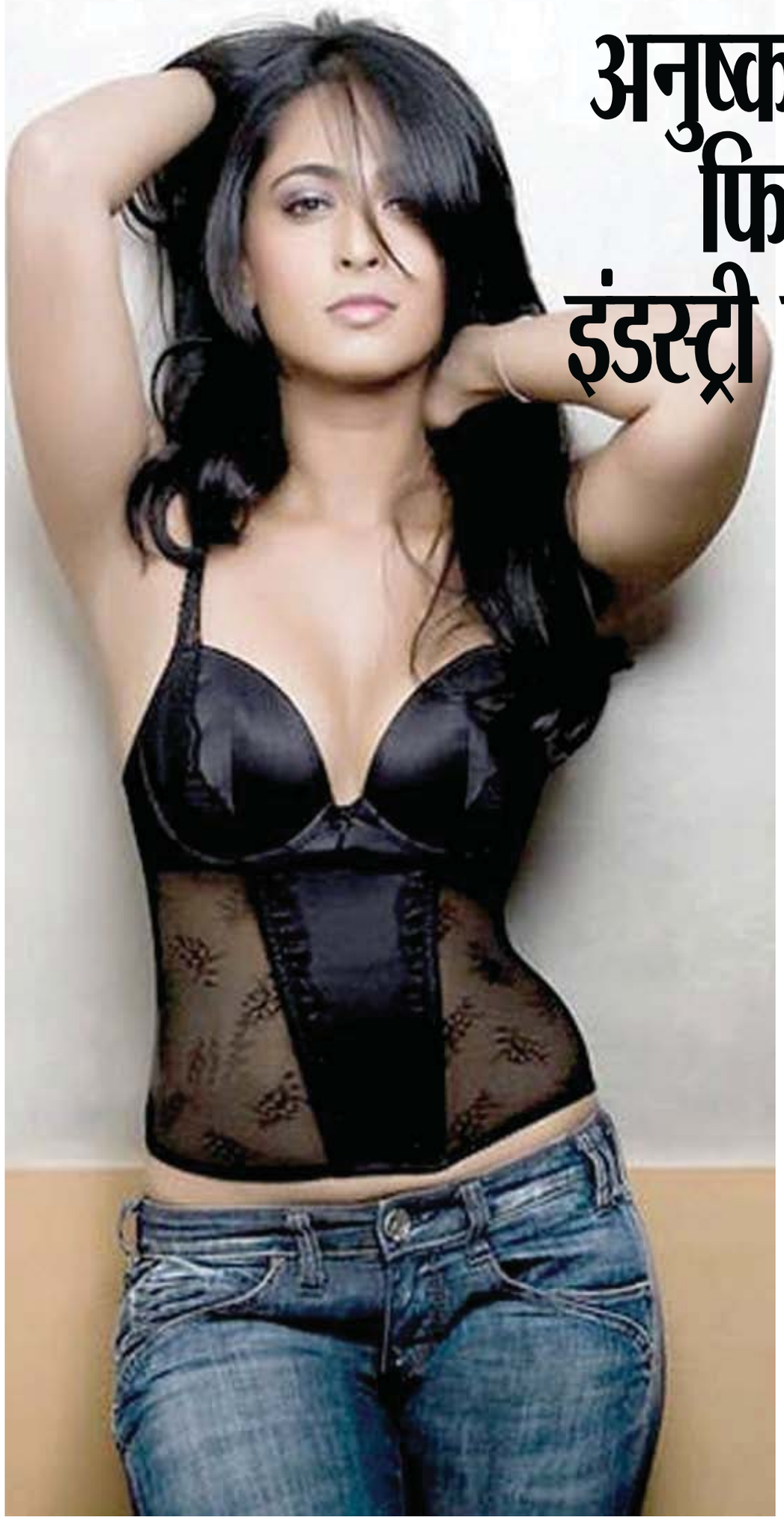

अनुष्का शेट्टी की इन चार फिल्मों ने बनाया उन्हें इंडस्ट्री की लेडी सुपरस्टार

स्वीटी शेट्टी जिन्हें सिनेमा की दुनिया में अनुष्का शेट्टी के नाम से जाना जाता है।भारतीय फिल्म अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी ने सिनेमा की दुनिया में मॉडल से कदम रखा था लेकिन आज वह साउथ इंडस्ट्री की सुपरस्टार हैं। अनुष्का शेट्टी मुख्य रूप से तेलुगु और तमिल फिल्म उद्योगों में काम करती हैं। अनुष्का शर्मा को फिल्मों में उनके काम के लिए काफी तारीफें मिली है। शानदार अभिनय के लिए कई अवार्ड से भी उन्हें सम्मानित किया गया। जिसमें तीन सिनेमा अवार्ड, एक नंदी पुरस्कार, टीएन स्टेट फिल्म अवार्ड और आठ नामांकन से तीन फिल्मफेयर अवार्ड शामिल हैं। अनुष्का, जो 50 से अधिक फिल्मों में दिखाई दी हैं, भारत में सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं और उन्हें दक्षिण भारतीय सिनेमा की लेडी सुपरस्टार के रूप में जाना जाता है।

अनुष्का शेट्टी का जन्म 7 नवंबर 1981 को हुआ था। उनके 39 वें जन्मदिन के अवसर पर, हम उनके करियर की चार सुपरहिट महिलावादी फिल्मों के बारे में आपको बताते हैं जिसने उन्हें इंडस्ट्री में सुपरस्टार बना दिया।

अरुंधति

कोडी रामकृष्ण की अरुंधति भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी महिला-केंद्रित हिट में से एक है। फिल्म ने न केवल बॉक्स-ऑफिस को हिला दिया, बल्कि दर्शकों ने भी अनुष्का शेट्टी को ऐसे अवतार में पहले कभी नहीं देखा था। फिल्म अरुंधति एक दशक पुरानी है लेकिन फिल्म आज भी बहुत ही आकर्षक है जिसे लोग बहुत चाव से देखते हैं।

रुद्रमादेवी

गुनासेकर की रुद्रमादेवी तेलंगाना के काकतीय राजवंश से एक निडर रानी की कम-ज्ञात कहानी है। एक महाकाव्य पैमाने पर मुहिम शुरू की, फिल्म में अनुष्का ने आसानी के साथ दशकीय भूमिका निभाई और उन्होंने यह साबित किया कि कोई और ऐसे किरदार नहीं निभा सकता जैसे वह कर सकती थी। फिल्म अरुंधति की तरह सफल नहीं हो सकी, लेकिन यह सुनिश्चित करती है कि दर्शकों को बेवजह योद्धा रानी रुद्रमादेवी की कहानी सुनाकर प्रेरित किया जाए। कई भाषाओं में डब किए जाने और रिलीज़ होने के बावजूद, फ़िल्म की व्यापक रिलीज़ नहीं हुई और इसलिए तेलुगु राज्यों से आगे नहीं बढ़ी। उन सभी लोगों के लिए जो एसएस राजामौली की बाहुबली फ्रैंचाइज़ी से प्यार करते थे, यहाँ एक ऐसी फिल्म है जो आपको आश्चर्यचकित करेगी और कई सालों बाद भी प्रासंगिक रहेगी।

साइज जीरो

कनिका ढिल्लन द्वारा लिखित और प्रकाश कोवेलामुदी द्वारा निर्देशित, साइज़ ज़ीरो एक युवा महिला की कहानी है जिसमें बढ़े वजन के मुद्दे को दिखाया गया है। खुद को गले लगाने का फिल्म का मुख्य विषय आज भी प्रासंगिक है और आने वाले वर्षों में दृढ़ता से गूंजता रहेगा।

भागमती

जी अशोक द्वारा निर्देशित भागमती ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अनुष्का शेट्टी अपने अधिकांश समकालीनों की तुलना में महिला-केंद्रित परियोजना को अधिक ठोस रूप से कैसे रेखांकित कर सकती हैं। एक हॉरर-थ्रिलर, फिल्म में अनुष्का एक आईएएस अधिकारी की भूमिका में थी जो एक मामले में गलत तरीके से उलझ जाती है।

मराठा मंदिर में फिर से रिलीज की जाएगी शाहरुख खान और काजोल की डीडीएलजे

जैसा कि मुंबई में आठ महीने बाद सिनेमा हॉल फिर से खुल गया, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे प्रतिष्ठित मराठा मंदिर में लौटने के लिए तैयार है। सिंगल-स्क्रीन थिएटर ने पिछले 25 वर्षों से हर दिन डीडीएलजे की स्क्रीनिंग की थी, जब तक कि कोरोनवायरस-प्रेरित लॉकडाउन ने थिएटर के मालिक को इसके शटर खींचने के लिए मजबूर नहीं किया था।

आदित्य चोपड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित, डीडीएलजे ने शाहरुख खान और काजोल ने मुख्य भूमिकाओं में अभिनय किया। रोमांटिक फिल्म मुंबई के मराठा मंदिर थिएटर में ऐतिहासिक 1,274-सप्ताह चलने वाली पहली हिंदी फिल्म है।

मुंबई में सिनेमाघरों को फिर से खोलने की अनुमति दी गई है, यशराज फिल्म्स भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाली फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को मुंबई के मराठा मंदिर में सिल्वर स्क्रीन पर वापस लाने के लिए उत्सुक है। मराठा मंदिर के मालिक मनोज देसाई ने indi-ane&press.com को बताया कि 25 साल में पहली बार डीडीएलजे को लॉकडाउन के दौरान प्रदर्शित नहीं किया गया था। वह इस बात से भी नाराज थे कि वे फिल्म की रजत जयंती नहीं मना सकते थे।

सात साल बाद फिल्म 'मेडे' में साथ नजर आएंगे अमिताभ बच्चन-अजय देवगन

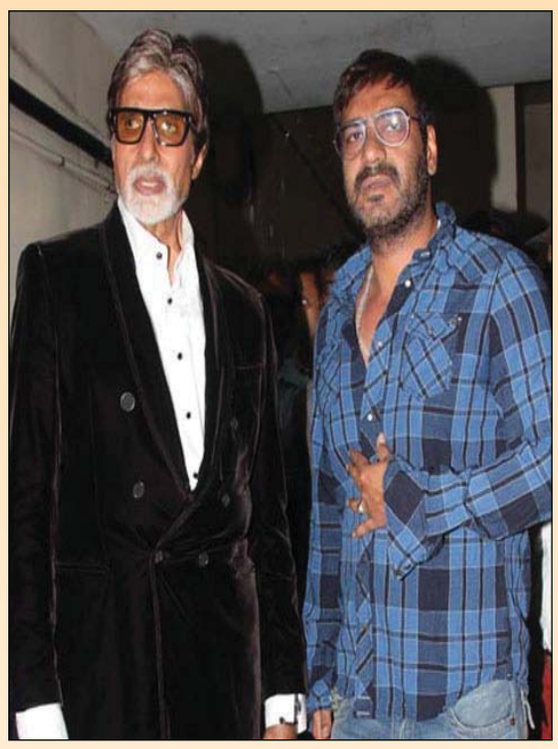

बॉलीवुड अभिनेता-निर्देशक अजय देवगन और अमिताभ बच्चन सात साल बाद एक साथ आगामी फिल्म 'मेडे' में साथ काम करने जा रहे हैं। अजय देवगन और अमिताभ बच्चन 'मेडे' में सहयोग करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसे देवगन निर्देशित करेंगे। देवगन इससे पहले शिवाय और यू मी और हम जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। यह पहली बार होगा जब वह बिग बी और अजय देवगन साथ में फिल्म का निर्देशन करेंगे और फिल्म में काम भी करेंगे। फिल्म में अजय देवगन एक पायलट की भूमिका निभाएंगे। अमिताभ बच्चन के चरित्र का विवरण अभी तक सामने नहीं आया है। देवगन और बच्चन इससे पहले खाकी और सत्याग्रह जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।

एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, 'अजय देवगन बिग बी के साथ न केवल फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे बल्कि फिल्म का निर्देशन भी करेंगे। यह भी पहली बार होगा जब अजय सेल्यूलाइड पर बच्चन साहब को निर्देशित करेंगे। जब वह अपने अगले निर्देशकीय उद्यम के लिए स्क्रिप्टिंग कर रहे थे, तो उन्होंने तुरंत अमित जी के बारे में सोचा और उन्हें केवल भूमिका के लिए चाहते थे।

अजय और अमिताभ ने सत्याग्रह के अलावा मेजर साहब और खाकी में साथ काम किया है। 'मेडे' के लिए बाकी कलाकारों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसका निर्माण देवगन के घरेलू बैनर, अजय देवगन फिल्मस द्वारा किया जाएगा।

अजय देवगन जल्द भुज द प्राइड ऑफ इंडिया में दिखाई देंगे, जो डिज्नी + हॉटस्टार पर रिलीज़ होगी। उन्होंने फिल्म में एक भारतीय वायु सेना अधिकारी की भूमिका निभाई है। इस बीच, बच्चन, कौन बनेगा करोड़पति के सीजन 12 की शूटिंग में व्यस्त हैं।

अश्लीलता फैलाने के आरोप में मॉडल मिलिंद सोमन पर मुकदमा दर्ज, शेयर की थी न्यूड फोटो

गोवा पुलिस ने मॉडल मिलिंद सोमन के खिलाफ अश्लीलता फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। यह मुकदमा सोमन द्वारा कथित तौर पर यहां के एक तट पर निर्वस्त्र दौड़ते हुए अपनी एक तस्वीर पोस्ट करने के सिलसिले में दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि इस बाबत बृहस्पतिवार को राजनीतिक संगठन गोवा सुरक्षा मंच (जीएसएम) ने एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया। सोमन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वह अपने 55वें जन्मदिन के मौके पर एक तट पर निर्वस्त्र दौड़ते हुए दिख रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) पंकज कुमार सिंह ने बताया, ''गोवा सुरक्षा मंच की शिकायत पर सोमन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 294 (सार्वजनिक स्थल पर अश्लील कृत्य करना) और सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।'' अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में सोमन ने फोटो खींचने का श्रेय अपनी पत्नी अंकिता कुंअर को दिया है। जीएसएम ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि मॉडल ने सार्वजनिक स्थान पर अश्लीलता की है। संगठन ने यह भी कहा कि तस्वीर गोवा को गलत तरीके से पेश करती है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को दक्षिण गोवा के कैनाकोना शहरमें सरकारी संपत्ति में अनधिकृत तरीके से प्रवेश करने और एक बांध पर ''आपत्तिजनक वीडियो'' शूट करने के आरोप में अभिनेत्री-मॉडल पूनम पांडे और उनके पति को गिरफ्तार किया था।

अनन्या पांडे और ईशान खट्टर की 'खाली पीली' अब फ्री में उपलब्ध, इस ओटीटी पर हुई रिलीज

मक़बूल ख़ान द्वारा निर्देशित और अली अब्बास ज़फ़र और हिमांशु मेहरा द्वारा निर्मित रोमांटिक एक्शन फ़िल्म खाली पीली ज़ी 5 पर रिलीज़ हुई है। यह फिल्म इससे पहले पे-पर-व्यू स्ट्रीमिंग सेवा ज़ी प्लेक्स पर 2 अक्टूबर को रिलीज़ हुई थी। खाली पीली में ईशान खट्टर और अनन्या पांडे की मुख्य भूमिका में जयदीप अहलावत के साथ अहम भूमिकाओं में हैं।

अनन्या पांडे, जो फिल्म में पूजा की भूमिका पर निभा रही हैं, ने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं कि खली पीली ज़ी 5 पर रिलीज़ हो रही है और यह 190 से अधिक देशों में पहुंचेगी, जो रोमांचक भी है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी अच्छी लगेगी। मुम्बईया लड़की का किरदार जैसा कि यह मेरी पिछली भूमिकाओं से बहुत अलग है। यह प्रशंसकों के लिए भी एक शुरुआती दिवाली की तरह है और मुझे उम्मीद है कि वे अपने घरों में आराम से अपने परिवार के साथ बैठकर फिल्म का आनंद ले सकेंगे।

ब्लैकी की भूमिका निभाने वाले ईशान खट्टर ने कहा, 'खाली पीली एक आउट एंड आउट एंटरटेनर है और मुझे खुशी है कि यह इस रिलीज के माध्यम से अधिक लोगों के लिए उपलब्ध होने जा रहा है।

खाली पीली कहानी पूजा- ब्लैकी के इर्द-गिर्द घूमती है, पूजा जो एक वेश्यालय में काम करती है और ब्लैकी टैक्सी ड्राइवर है। जब वे बच्चे थे, तो दो मुख्य पात्रों को परिस्थितियों से अलग कर दिया गया था। 18 साल की होने पर, पूजा पैसे से भरा बैग लेकर वेश्यालय से भाग जाती है और ब्लैकी की गाड़ी में घुस जाती है। यहीं से शुरू होती है फिल्म की कहानी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाइडेन का भारत को पहला तोहफा

पांच लाख से अधिक भारतीयों दे सकते हैं अमेरिका की नागरिकता

वॉशिंगटन। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन पांच लाख भारतीयों समेत लगभग 1 करोड़ 10 लाख ऐसे आप्रवासियों को अमेरिकी नागरिकता प्रदान करने का रोडमैप तैयार करेंगे, जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं। इसके अलावा वह सालाना न्यूनतम 95,000 शरणार्थियों को अमेरिका में प्रवेश दिलाने की प्रणाली भी बनाएंगे।

बाइडेन के अभियान द्वारा जारी एक नीतिगत दस्तावेज में यह जानकारी दी गई है।

दस्तावेज में कहा गया है, ''वह (बाइडेन) जल्द ही कांग्रेस में एक आव्रजन सुधार कानून पारित कराने पर काम शुरू करेंगे, जिसके जरिए हमारी प्रणाली को आधुनिक बनाया जाएगा। इसके तहत 5 लाख से अधिक भारतीयों समेत लगभग एक करोड़ 10 लाख ऐसे आप्रवासियों को अमेरिका की नागरिकता प्रदान करने का रोडमैप तैयार किया जाएगा, जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं।'' दस्तावेज के अनुसार, ''वह अमेरिका में

सालाना 1,25,000 शरणार्थियों को प्रवेश देने का लक्ष्य निर्धारित करेंगे। इसके अलावा वह सालाना न्यूनतम 95,000 शरणार्थियों को देश में प्रवेश दिलाने के लिए कांग्रेस के साथ काम करेंगे।'' बाइडेन से पहले चार सालों तक अमेरिका के राष्ट्रपति रहे डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी फर्स्ट का नारा देते हुए प्रवासियों को नागरिकता देने के नियमों को कठोर कर दिया था।

राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बाइडेन प्रचार अभियान द्वारा जारी एक नीति पत्र में यह भी कहा गया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित जो बाइडेन का प्रशासन भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनवाने में मदद करने, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सहयोग जारी रखने जैसे कदमों के साथ भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को मजबूत करने को उच्च प्राथमिकता देगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने शनिवार को रिपब्लिकन पार्टी के अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप को कड़े मुकाबले में हरा दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद बाइडेन के पास अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को मजबूत करने के उनके 14 साल पुराने ख्वाब को पूरा करने का एक मौका है।

इसे पुराना ख्वाब इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि बाइडेन ने दिसंबर 2006 में एक समाचार पत्र से बातचीत में कहा था, '' मेरा ख्वाब है कि 2020 में दुनिया के दो सबसे करीबी मुल्क भारत और अमेरिका हों। अगर ऐसा होता है तो दुनिया पहले से अधिक सुरक्षित होगी।

'' बाइडेन प्रचार अभियान द्वारा जारी एक नीति पत्र में यही बात दोहराई गई है और बताया गया है कि वह इसे कैसे अमल में लाएगें।

अमेरिका के नए राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- मैं लाल या नीले को नहीं, केवल संयुक्त राज्य को देखता हूं

नई दिल्ली। अमेरिका में लंबे इंतजार के बाद राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। राष्ट्रपति चुनाव में जो बिडेन और उप-राष्ट्रपति चुनाव कमला हैरिस के समर्थक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए डेलावेयर के विलमिंगटन में एकत्रित हुए हैं।

नए राष्ट्रपति जो बिडेन को मंच पर जाने के दौरान उनका जोर-शोर से स्वागत किया गया।

उन्होंने समर्थकों को धन्यवाद दिया और कहा, मैं लाल राज्यों और नीले राज्यों को नहीं देखता, बल्कि केवल संयुक्त राज्य को देखता हूं।

जो बिडेन ने कहा- मुझे उस अभियान पर गर्व है जो हमने एक साथ में किया।

यह सबसे विविध अभियान था जिसे एक साथ रखा चलाया गया। जो बिडेन ने अल्पसंख्यक समुदायों को उसके लिए मतदान करने के लिए धन्यवाद करते हुए कहा- मैं अफ्रीकी अमेरिकियों को भी धन्यवाद दूंगा जो मेरे साथ खड़े थे।

मेरे पास आपकी सहारा है। वह ट्रम्प समर्थकों के पास भी पहुंचे और कहा कि उनके लिए पहुंचना कठिन होगा, लेकिन वे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी हैं। जो बिडेन ने एक ध्रुवीकृत राष्ट्र को एकजुट करते हुए कहा - हमारे लिए बेहतर का समय है, क्योंकि दुनिया ने अमेरिकी चुनाव के परिणामों की प्रतीक्षा की है।

शनिवार को (स्थानीय समयानुसार, शुक्रवार की देर रात) को अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए डमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा कि हम इस कोरोना वायरस को नियंत्रित करने के लिए पहले ही दिन से अपनी योजना को अमल में लाने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'अमेरिकी नागरिकों ने डेमोक्रेट्स को कोरोना वायरस संकट, आर्थिक मंदी और नस्लवाद की समस्या पर कार्रवाई करने के लिए चुना है और हम पहले दिन से ही इस पर काम करेंगे।

' जो बाइडेन के इस ऐलान से साफ संकेत मिलता है कि अमेरिका में एक बार फिर से कोरोना वायरस पर काबू पाने के लिए कुछ कड़े प्रावधान लागू किए जा सकते हैं।

जिस तरह से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, वैसे में या तो फिर से शहरों को लॉक किया जा सकता है या फिर मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर कड़े नियम लागू किए जा सकते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि लगातार तीन दिनों से अमेरिका में कोरोना वायरस के नए मामलों में बड़ा इजाफा देखने को मिल रहा है।'

अमेरिकी चुनाव: सुप्रीम कोर्ट को राजी करना ट्रंप के लिए आसान नहीं, कई देशों ने धांधली के दावों को किया खारिज

एजेंसी, वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार कह रहे हैं कि वह राष्ट्रपति पद के चुनाव में धांधली के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे, लेकिन इस बार अदालत में उनकी राह आसान होने के आसार कम दिखाई दे रहे हैं।

ट्रंप ने पिछले दो दिन में कई बार कहा है कि अदालत ने जिस प्रकार 2000 में चुनाव में हस्तक्षेप किया था, उसे इस बार भी ऐसा ही करना चाहिए। उस समय अदालत ने जॉर्ज डब्ल्यू बुश को विजेता घोषित किया था।

अदालत में पांच न्यायाधीशों ने बुश के हक में और चार न्यायाधीशों ने उनके खिलाफ फैसला सुनाया था। इस समय सुप्रीम कोर्ट के छह सदस्य कंजरवेटिव हैं, जिनमें से तीन को ट्रंप ने नामित किया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्वीट किया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट को फैसला करना चाहिए। इस बीच, बाइडेन व्हाइट हाउस में जीत के और करीब पहुंचते दिख रहे हैं। उनकी प्रचार मुहिम ने मौजूदा मुकदमों को आधारहीन बताया है।

अलग थे साल 2000 में अमेरिका के हालात

दरअसल, अमेरिका में साल 2000 में हालात अलग थे। उस समय बुश फ्लोरिडा में आगे चल रहे थे और उन्होंने पुन: मतगणना रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

ट्रंप को अपने प्रतिद्वंद्वी और बाइडेन को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट को दो या अधिक राज्यों में मतों को दरकिनार करने के लिए राजी करना होगा।

दूसरी ओर ट्रंप की प्रचार मुहिम और रिपब्लिकन नेताओं ने कई राज्यों में कानूनी चुनौतियां पेश की हैं, लेकिन इनमें से अधिकतर मुकदमे छोटे स्तर के हैं और उनसे अधिक मत प्रभावित होने की उम्मीद कम है।

राजनीति को अदालत से दूर रखने के पक्ष में न्यायाधीश

एक ओर जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनाव में धोखाधड़ी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कह रहे हैं, तो दूसरी ओर चीफ जस्टिस जॉन रोबर्ट्स सरकार की राजनीतिक शाखाओं को अदालत से दूर रखने के पक्ष में हैं। उनका मानना है कि राजनीति अदालत की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचा सकती है।

कई देशों ने ट्रंप के चुनाव में धांधली के दावों को खारिज किया

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में धांधाली के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों को दुनिया के अनेक देशों ने खारिज किया है। शुक्रवार को अमेरिका के निशाने पर रहे कई देशों ने ट्रंप के इस तरह के रुख की निंदा करते हुए उनकी आलोचना की। जिन देशों को अमेरिका चुनाव कराने के तरीकों पर नसीहत देता रहा है, वे अब उसकी आलोचना कर रहे हैं।

फ्रांस में रोजाना मामले 60 हजार के पार

लॉकडाउन के बावजूद यूरोप में कोरोना संक्रमण बेकाबू

एजेंसियां, पेरिस। महामारी की पहली लहर रोकने में कुछ हद तक सफल रहे यूरोपीय देशों में आंशिक या पूर्ण तालाबंदी के बावजूद कोरोना संक्रमण एक बार फिर बेकाबू होता दिख रहा है। फ्रांस में पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के रिकॉर्ड मामले 60 हजार के पार हो गए, 486 नए मामले सामने आए। वहीं, जर्मनी से संक्रमण रोकने के लिए एक महीने की आंशिक तालाबंदी लागू कर दी है।

फ्रांस में एक दिन में 60,486 नए मामले सामने आए हैं। यहां के राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अब यहां कुल संक्रमितों की संख्या 17 लाख को पार कर गई है। एक दिन पहले यहां कोरोना के 58 हजार से अधिक नए मामले दर्ज किए गए थे। इस महामारी के कारण अब तक 39,916 लोगों की मौत हो चुकी है।

यहां कोरोना संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने आंशिक रूप से लॉकडाउन लगाया है। लोगों को सिर्फ आवश्यक काम से बाहर जाने की इजाजत है। बार, कैफे, जिम और रेस्तरां बंद कर दिए गए हैं। सरकार का अनुमान है कि एक महीने तक लॉकडाउन लागू करके हर दिन के मामलों को पांच हजार तक सीमित किया जा सकता है।

जर्मनी में सर्वाधिक नए मामले

जर्मनी में जारी चार सप्ताह की आंशिक तालाबंदी का पहला सप्ताह पूरा होने से पहले ही एक दिन में सर्वाधिक मामले दर्ज किए गए। शनिवार को यहां 19,059 नए मामले आए जो महामारी की शुरुआत से अब तक आए रोजाना मामलों में सर्वाधिक है। हालांकि अर्थव्यवस्था को देखते हुए सरकार ने इस बार जो प्रतिबंध लागू किया है, वह मार्च में लागू किए प्रतिबंध से नरम है। इस बार रेस्टोरेंट, बार, थियेटर, सिनेमा और दूसरे मनोरंजन क्षेत्रों में बंदी है जबकि स्कूल, सलून व गैर-आवश्यक दुकानें भी खुली हुई हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि प्रतिबंधों में सख्ती न होने के कारण ही मामले बढ़ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई मॉडल से उम्मीद

संक्रमण की दूसरी लहर में जहां यूरोपीय देश लगातार बढ़ रहे मामलों से परेशान हैं, वहीं आस्ट्रेलिया उदाहरण पेश कर रहा है। यहां के विक्टोरिया में पिछले आठ दिन में एक भी नया मामला नहीं आया है। संक्रमण पर काबू पाने से यहां के प्रशासन से प्रतिबंधों में ढील शुरू कर दी है। अब लोगों को मेलबर्न से बाहर जाने पर कोई रोक नहीं है। अभी तक यहां 25 किलोमीटर की परिधि के बाहर जाने की मनाही थी। इस तरह के प्रतिबंध के मॉडल को यहां 'रिंग ऑफ स्टील' नाम दिया गया है। संक्रमण नियंत्रित होने से यहां से न्यूजीलैंड की हवाई सेवा दोबारा शुरू हो रही है।

सिंगापुर में दिसंबर से खुलेंगे रात में चलने वाले प्रतिष्ठान

सिंगापुर में रात में चलने वाले प्रतिष्ठानों की सीमित संख्या को दिसंबर से दो महीने के लिए खोलने की अनुमति दी जाएगी। उद्योग और गृह मामलों के मंत्रालय ने यह जानकारी दी। कोरोना वायरस फैलने के चलते यह प्रतिष्ठान नौ महीने तक बंद थे। उद्योग एवं व्यापार मंत्रालय ने कहा कि पब और बार को दो महीने के लिए खोला जाएगा जिस दौरान संचालकों को सुरक्षा उपायों के साथ व्यवसाय करने की अनुमति दी जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि प्रतिष्ठान के संचालकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि ग्राहक खाने पीने को छोड़कर बाकी समय मास्क लगाएं। सिंगापुर में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 58,054 मामले सामने आ चुके हैं और महामारी से 28 मरीजों की मौत हो चुकी है। विभाग ने कहा कि रात प्रतिष्ठान खुलने के दौरान कोविड-19 से सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन किया जाएगा।

भारतीय मूल की कमला हैरिस अमेरिकी उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने वाली पहली अश्वेत महिला बनीं

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन ने जीत दर्ज की है। वह अमेरिका के 64वें राष्ट्रपति होंगे। वहीं, कमला हैरिस अमेरिकी की पहली अश्वेत महिला उपराष्ट्रपति बनने जा रही है। कैलिफोर्निया की सीनेटर कमला दक्षिण एशियाई मूल की पहली अमेरिकी उपराष्ट्रपति भी होंगी। यह पहली बार है जब दक्षिण एशियाई मूल की कोई महिला सरकार में इतने बड़े ओहदे पर काम करेगी। इसके साथ-साथ यह पहली बार ही होगा कि भारतीय मूल से जुड़ी कोई महिला अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद वाला पदभार संभालेंगी। अमेरिकी चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद कमला हैरिस ने ट्वीट कर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने ट्विटर पर अपने अपना एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा है कि यह चुनाव जो बाइडेन और मेरे लिए बहुत अधिका मायने हैं। यह अमेरिका की आत्मा और इसके लिए लड़ने की हमारी इच्छा के बारे में है। हमारे आगे बहुत काम है। आइए शुरू करें। पिछले दो दशकों में देखें तो अमेरिका में डेमोक्रेटिक के लिए कमला हैरिश स्टार की तरह उभरी हैं। कमला हैरिस अमेरिकी सीनेटर बनने से पहले सैन फ्रांसिस्को के जिला अटॉर्नी और कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल के रूप में सेवा दे चुकी हैं। इसी के साथ एक तरफ जो बाइडेन अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे तो दूसरी ओर कमला हैरिस उपराष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभालेंगी।

सनस्क्रीन और लिप बाम लगाकर बॉर्डर पर 'लोहा' लेने जा रहे चीनी जवान, लोगों ने लिए मजे

बीजिंग। पिछले लंबे समय से चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) सुर्खियों में बनी हुई है।

कभी चीनी सेना भारत के साथ लद्दाख में चल रहे विवाद को लेकर खबरों में रहती है तो कभी उसका कोई ऐसा वीडियो वायरल हो जाता है, जिसपर दुनियाभर के लोग हंसते हैं। हाल ही में चीनी सेना का एक ऐसा ही वीडियो सामने आया है, जिसके बाद लोग मजे लेने लगे।

जो वीडियो सामने आया है, उसमें चीनी सेना के जवान अपने चेहरे पर सनस्क्रीन लगा रहे हैं। इसके अलावा, होठों पर लिप बाम भी लगा रहे।

चीनी सरकार के प्रोपेगेंडा मीडिया हाउस ग्लोबल टाइम्स ने चीनी सैनिकों के सनस्क्रीन लगाते हुए वीडियो जारी किया है। ग्लोबल टाइम्स के वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ चीनी जवान पहले अपने हाथों पर सनस्क्रीन लगाते हैं और फिर उसे अपने चेहरे पर लगा लेते हैं। जवान वीडियो में काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं, कुछ जवान अपने होठों पर लिप बाम भी लगाते दिख रहे हैं।

ग्लोबल टाइम्स ने वीडियो पर क्या लिखा?

ग्लोबल टाइम्स ने वीडियो को शेयर करते हुए जवानों का गुणगान किया है। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा, ''अटेंशन! पीएलए जवान 'स्किनकेयर' लेक्चर दे रहे हैं। गश्त पर जाने से पहले, जवाना सनस्क्रीन और लिप बाम लगा रहे हैं और अपने सीरियस लुक को 'क्यूट' में बदल रहे हैं।

'' यह वीडियो ग्लोबल टाइम्स ने अपने ट्विवटर अकाउंट पर शेयर किया है। इसके फौरन बाद ही कई यूजर्स ने मजे लेने की शुरुआत कर दी।

एक भारतीय यूजर ने लिखा कि और ये आजकल भारतीय सेना के जवानों से आमना-सामना करने के बारे में प्लान बना रहे हैं। क्यूट पीएलए के जवान वर्सेज भारतीय सेना के जवान। मेरे पास इनके लिए शब्द कम पड़ रहे हैं।

पहले भी वायरल हो चुके हैं वीडियो

यह पहला मौका नहीं है, जब किसी चीनी सेना के जवान का वीडियो वायरल हुआ है। इससे पहले भी एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें चीनी सेना के जवान रोते हुए दिखाई दे रहे थे।

पड़ोसी देश के सैनिकों में इस कदर डर था कि जैसे ही चीनी सैनिकों को पता चला कि उनकी तैनाती लद्दाख में भारत-चीन की सीमा पर होने वाली है, उनके आंखों में आंसू आ गए।

पाकिस्तान के कॉमेडियन जैद हामिद ने 22 सितंबर को फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में, कुछ चीनी सैनिक एक बस में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। वे सभी रो रहे हैं, क्योंकि उनकी पोस्टिंग लद्दाख की सीमा पर होने जा रही है।

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में मतगणना केन्द्र के बाहर हथियारों से लैस दो लोग गिरफ्तार

एजेंसी,न्यूयॉर्क। अमेरिका के फिलाडेल्फिया में एक मतगणना केन्द्र के बाहर भारी मात्रा में हथियारों से लैस दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस कहना है कि वह ट्रक में फर्जी मतपत्र भरकर उन्हें मतदान केन्द्र तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। अमेरिका की मीडिया में आईं खबरों के अनुसार वर्जीनिया के चेसापीक के निवासी एंतोनियो लामोता (61) और जोशुआ मैसियस (42) को बिना अनुमति हथियार रखने के संदेह में गुरुवार रात मतगणना केन्द्र के बाहर गिरफ्तार किया गया। फिलाडेल्फिया पुलिस ने कहा कि उसे सूचना मिली थी कि एक ट्रक में सवार हथियारबंद लोग पेनसिल्वेनिया मतगणना केन्द्र की ओर बढ़ रहे हैं। उसके बाद उन्हें पकड़ लिया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दोनों लोगों के पास बंदूकें थीं और पुलिस को उनके ट्रक में से भी राइफल मिली है। उन्होंने कहा कि उनके पास से लगभग 160 कारतूस मिले हैं। सीएनएन की खबर के अनुसार कथित फर्जी मतपत्रों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। सीबीएस की खबर के अनुसार अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि उन लोगों की मंशा क्या थी।

सगाई टूटने पर खुद से कर ली शादी, समारोह में 40 मेहमान भी पहुंचे

एजेंसी, ब्रासीलिया। ब्राजील के बाहिया राज्य में एक अनोखी शादी हुई। इसमें दुल्हन नहीं सिर्फ दूल्हा था। दरअसल, युवती ने सगाई तोड़ दी थी। डिओगो रैबोलो और उनकी मंगेतर विटोर ब्यूनो की पिछले साल नवंबर में सगाई हुई थी और उनकी इस साल अक्तूबर में शादी होनी थी। विटोर ने मतभेदों के बाद जुलाई में सगाई तोड़ दी। शादी को रद्द करने की बजाय डिओगे ने छह अक्तूबर को अपने आप से शादी कर ली। खास बात यह है कि इस शादी में 40 मेहमान भी पहुंचे। युवक ने आईने में देखकर स्वयं को 'आई डू' कहा। इस रस्म का वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया।

डिओगे ने बाद में कहा कि आज मेरी जिंदगी का सबसे खुशी का दिन है, क्योंकि मैं उन लोगों के साथ हूं, जिनसे सबसे ज्यादा प्यार करता हूं। मैं उसका जश्न मना रहा हूं, जो एक त्रासदी हो सकती थी, लेकिन मैंने इसे एक कॉमेडी बना दिया। उसने कहा कि मैं अपनी इस शादी से लोगों को संदेश देना चाहता था कि मैं खुश होने के लिए शादी पर निर्भर नहीं हूं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

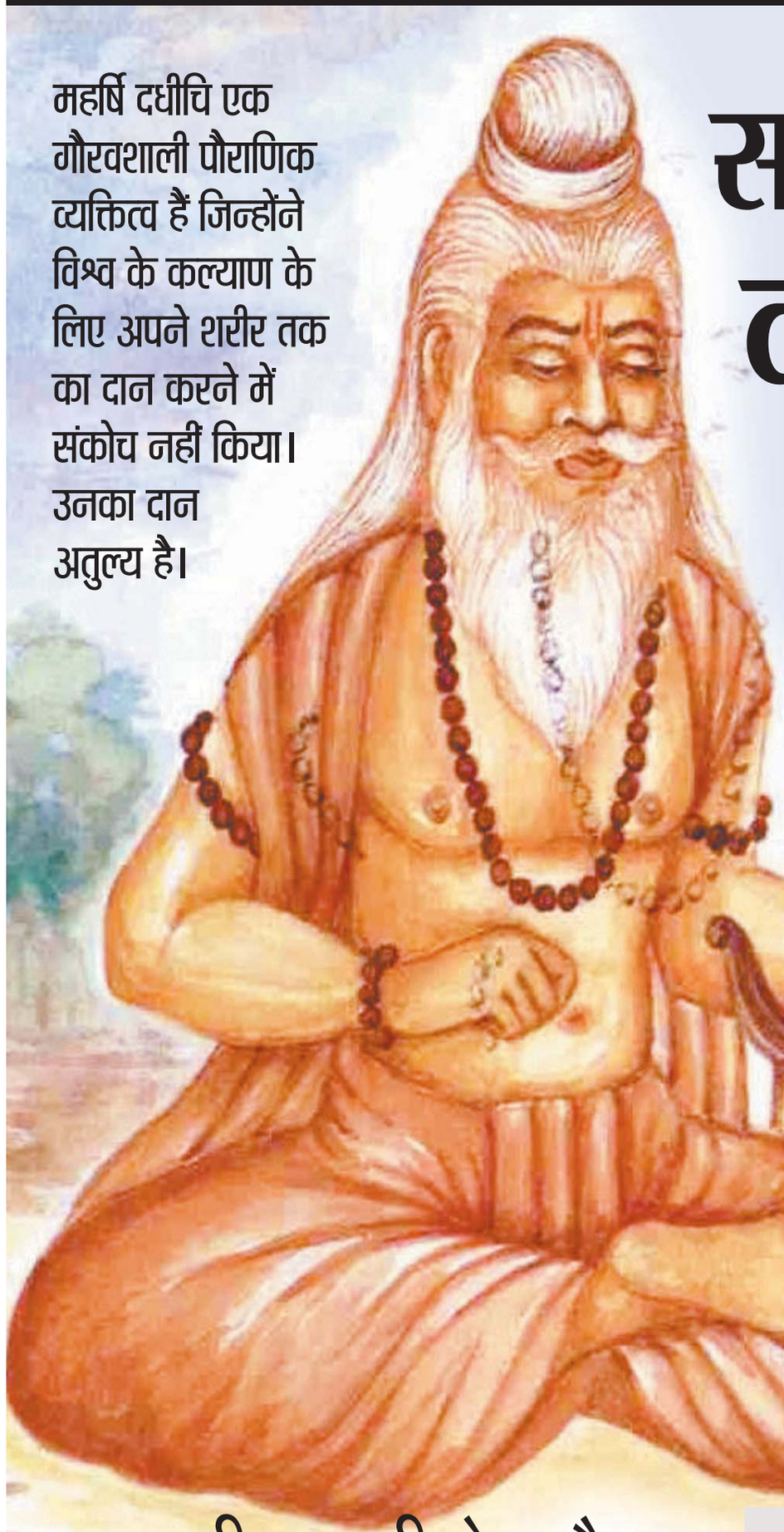

महर्षि दधीचि एक गौरवशाली पौराणिक व्यक्तित्व हैं जिन्होंने विश्व के कल्याण के लिए अपने शरीर तक का दान करने में संकोच नहीं किया। उनका दान अतुल्य है।

सबसे ऊपर महर्षि दधीचि का त्याग

महर्षि दधीचि एक गौरवशाली पौराणिक व्यक्तित्व हैं जिन्होंने विश्व के कल्याण के लिए अपने शरीर तक का दान करने में संकोच नहीं किया। उनका दान अतुल्य है। महर्षि के देह दान की कथा इस प्रकार है- विश्वरूप के तीन सिर थे। वह एक सिर से सोमरस पीता था, दूसरे सिर से सुरा पीता था और तीसरे सिर से अन्न खाता था। उसकी माता असुर कुल से थी। इन्द्र को पता चलने पर उसने विश्वरूप के तीनों सिरों को काट डाला। सोमरस पीने वाला सिर पपीहा, सुरा पान करने वाला सिर गौरैया और अन्न खाने वाला सिर तीतर बन गया। इन्द्र पर ब्रह्महत्या का पाप लगा। ब्रह्महत्या के दोष को चार भागों में बांटा गया। पहला भाग पृथ्वी को, दूसरा भाग वृक्ष को, तीसरा भाग जल को और चौथा भाग स्त्रियों में बांट दिया गया।

विश्वरूप की हत्या का हाल उसके पिता त्वष्टा को चला तो पिता ने कहा, -हे इन्द्रशत्रो! तुम अपने शत्रु को मार डालो। यह सुनते ही शत्रु को मारने के लिए हवन यज्ञ किया जाने लगा। इसके समाप्त होने पर अन्वाहार्य पचन नामक अग्नि से भयानक दैत्य प्रकट हुआ। उसने तीन नोक वाले त्रिशूल से अंतरिक्ष को उठा रखा था। त्वष्टा के तमोगुणी पुत्र ने सब लोकों को घेर लिया। उस क्रूर पुरुष का नाम वृत्रासुर पड़ा। वह युद्ध में देवताओं के अस्त्र शस्त्रों को निगल जाता था। इससे देवता घबरा गये। वे सब मिलकर आदि पुरुष भगवान श्री नारायण के पास गये। उन्होंने भगवान से इस दुष्ट से बचाने के उपाय के बारे में पूछा।

भगवान ने देवताओं से कहा- तुम शीघ्र ऋषिवर दधीचि के पास जाओ। ऋषि से उनके शरीर की भिक्षा मांगो। उनका शरीर उपासना, व्रत और तपस्या से अत्यंत दृढ़ हो गया है। उनकी हड्डियों से वज्र बनाकर शत्रु पर विजय प्राप्त करो। भगवान की आज्ञानुसार देवताओं ने दधीचि ऋषि के पास जाकर याचना की। दधीचि ऋषि ने पहले तो ज्ञान का उपदेश दिया। अंत में कहा कि परमार्थ के लिए मैं अपना शरीर देने को तैयार हूं। महर्षि दधीचि ने परब्रह्म परमात्मा में अपने को लीन करके अपना शरीर त्याग दिया।

इन्द्र ऋषि दधीचि की हड्डियों को लेकर विश्वकर्मा के पास गये। उन्होंने उन हड्डियों से वज्र बनाकर दे दिया। देवता और दैत्यों में भयंकर युद्ध हुआ। हजारों की संख्या में दैत्य, दानव, यक्ष आदि लड़ने को सामने आये। उस वज्र से सब राक्षस और दानव मारे गये। वृत्रासुर ने अपना त्रिशूल फेंका और गदा से उनके वाहन ऐरावत पर आक्रमण किया। ऐरावत के सिर पर चोट आई परंतु इन्द्र ने अपने विद्या से ऐरावत के माथे पर चोट को ठीक कर दिया। फिर वृत्रासुर पर आक्रमण किया।

कुछ समय बाद इन्द्र के हाथ से छूटकर वज्र युद्ध भूमि में गिर गया। वृत्रासुर बोला- जिस प्रकार तुमने विश्वरूप का सिर काटा था उसी तरह मैं तेरा सिर काटकर अपने भाई का बदला लूंगा। भूतनाथ पर तुम्हारे सिर को चढ़ाउंगा। वह बोला- युद्ध एक प्रकार का जुआ है। इसमें प्राणों की बाजी लगती है। बाण पासे का काम करते हैं और वाहन ही चौसर है। इसलिए इसमें यह पता नहीं चलता कि कौन विजयी होगा? इन्द्र ने आदरभाव से वृत्रासुर को बातों में लगाकर मौका पाकर अपना वज्र उठा लिया। इसके बाद वज्र से वृत्रासुर का सिर काट कर उसकी इह लीला समाप्त कर दी। उसके मारे जाने पर देवताओं ने प्रसन्नता प्रकट करते हुए इन्द्र पर फूलों की वर्षा की। वृत्रासुर की ज्योति उसके शरीर से निकल कर भगवान में लीन हो गई।

उत्तरमुखी घर भी देता है दुख जानिए क्यों

आमतौर पर लोगों का यह मानना है कि उत्तर की ओर जिस मकान का मुख्य द्वार होता है उस घर में रहने वाले लोग सुखी होते हैं। इसलिए लोग उत्तर ही ओर मुख वाला घर एवं जमीन खरीदते हैं। लेकिन व्यवहारिकता में ऐसा देखने में आता है कि उत्तर की ओर मुंह वाले घर में रहने वाले लोग भी परेशान रहते हैं और इन्हें भी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

दरअसल घर का मुख भले ही उत्तर में हो लेकिन इसमें वास्तु के नियमों का पालन नहीं किया जाए तो उत्तरमुखी घर में रहने वाले व्यक्ति भी कष्ट पाते हैं। उत्तरमुखी घर में मुख्यद्वार पूर्व की बजाय पश्चिम दिशा की ओर अधिक बढ़ा हुआ हो तो घर के लोग अधिक समय तक घर में टिक नहीं पाते। ऐसे घर के घर के मुखिया को पैसा कमाने के लिए ज्यादातर समय घर से बाहर रहना पड़ता है। बहुत से लोग उत्तर पश्चिम दिशा में मुख्य द्वार के पास ही भूमिगत पानी की टंकी, और बोरिंग बनवा लेते हैं। इसे वास्तुदोष बढ़ जाता है और घर में चोरी की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे घर में रहने वाली महिलाएं अधिक चंचल रहती हैं और घर में कम टिकती हैं।

कुछ लोग उत्तरमुखी जमीन में पश्चिम दिशा में अधिक खाली स्थान छोड़ देते हैं। ऐसे घर में रहने वाले पुरूषों को शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उत्तरमुखी घर में गंदे पानी की निकासी एवं सैप्टिक टैंक दक्षिण दिशा में रखना वास्तु के अनुकूल नहीं होता है इससे परिवार की स्त्रियों को कष्ट का सामना करना पड़ता है।

उत्तरमुखी घर को ऐसे बनाएं भाग्यशाली

कम्पाउंड वॉल और घर का मुख्यद्वार उत्तर पूर्व की ओर रखें। दक्षिण पूर्व में कुछ भाग खुला छोड़ दें। उत्तर की तुलना में दक्षिण दिशा में और पूर्व की तुलना में पश्चिम दिशा में खुली जगह कम छोडे। भूमिगत पानी के स्रोत उत्तर दिशा, ईशान कोण या पूर्व दिशा में ही रखें। सैप्टिक टैंक मध्य पूर्व या मध्य उत्तर दिशा में बनवाएं। घर के फर्श का एवं प्लॉट का ढाल उत्तर या पूर्व दिशा की ओर रखें।

मनुष्य विभिन्न प्रकार के प्रयोजन लेकर कार्य करता है, क्योंकि बिना उद्देश्य के कार्य हो ही नहीं सकता। कुछ लोग यश चाहते हैं और वे यश के लिए काम करते हैं। दूसरे पैसा चाहते है और वे पैसे के लिए काम करते हैं। कुछ अधिकार प्राप्त करना चाहते हैं और वे अधिकार के लिए काम करते हैं। कुछ लोग मृत्यु के बाद अपना नाम छोड़ जाने के इच्छुक होते हैं।

स्वार्थ रहित सेवा ही कर्म है

ध्येय हो उच्चतर

प्रत्येक मनुष्य को उच्चतर ध्येयों की ओर बढ़ने तथा उन्हें समझने का प्रबल यत्न करते रहना चाहिए। यदि तुम किसी मनुष्य की सहायता करना चाहते हो, तो इस बात की कभी चिंता न करो कि उस आड़ुदमी का व्यवहार तुम्हारे प्रति कैसा रहता है। यदि तुम एक श्रेष्ठ एवं भला कार्य करना चाहते हो, तो यह मत सोचो कि उसका फल क्या होगा। कर्मयोगी के लिए सतत कर्मशीलता आवश्यक है। बिना कार्य के हम एक क्षण भी नहीं रह सकते।

चीन में प्रथा है कि मनुष्य की मृत्यु के बाद ही उसे उपाधि दी जाती है। किसी ने यदि बहुत अच्छा कार्य किया, तो उसके मृत-पिता अथवा पितामह को कोई सम्माननीय उपाधि दे दी जाती है। इस्लाम धर्म के कुछ संप्रदायों के अनुयायी इस बात के लिए आजन्म काम करते रहते हैं कि मृत्यु के बाद उनकी एक बड़ी कब्र बने। इस प्रकार, मनुष्य को कार्य में लगाने वाले बहुत से उद्देश्य होते हैं।

विभिन्न प्रयोजन : प्रत्येक देश में कुछ ऐसे लोग होते हैं, जो केवल कर्म के लिए ही कर्म करते हैं। वे नाम-यश अथवा स्वर्ग की भी परवाह नहीं करते। वे केवल इसलिए कर्म करते हैं कि उससे दूसरों की भलाई होती है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो और भी उच्चतर उद्देश्य लेकर गरीबों के प्रति भलाई तथा मनुष्य-जाति की सहायता करने के लिए अग्रसर होते हैं, क्योंकि भलाई में उनका विश्वास है और उसके प्रति प्रेम है। अक्सर देखने में आता है कि नाम तथा यश के लिए किया गया कार्य शीघ्र फलित नहीं होता। ये चीजें तो हमें उस समय प्राप्त होती हैं, जब हम वृद्ध हो जाते हैं। असल में तभी तो उसे सर्वोच्च फल की प्राप्ति होती है और सच पूछा जाये, तो निःस्वार्थता अधिक फलदायी होती है, पर लोगों में इसका अभ्यास करने का धीरज नहीं रहता।

संयम का महत्व : यदि कोई मनुष्य पांच दिन या पांच मिनट भी बिना भविष्य का चिंतन किए, बिना स्वर्ग, नरक या अन्य किसी के संबंध में सोचे, निः स्वार्थता से काम कर सके, तो वह एक महापुरुष बन सकता है। यह शक्ति की महत्तम अभिव्यक्ति है, इसके लिए प्रबल संयम की आवश्यकता है। अन्य सब बहिर्मुखी कर्मों की अपेक्षा इस आत्मसंयम में शक्ति का अधिक प्रकाश होता है। मन की सारी बहिर्मुखी गति किसी स्वार्थपूर्ण उद्देश्य की ओर दौड़ती रहने से छिन्न-भिन्न होकर बिखर जाती है, वह फिर तुम्हारे पास लौटकर हमारे शक्ति विकास में सहायक नहीं होती। परंतु यदि उसका संयम किया जाए, तो उससे शक्ति की वृद्धि होती है। इस आत्मसंयम से एक महान इच्छा शक्ति का प्रादुर्भाव होता है। वह एक ऐसे चरित्र का निर्माण करता है, जो जगत् को अपने इशारे पर चला सकता है।

आराम का न हो कोई स्थान: इस जीवन-संग्राम के एक ओर है कर्म, तो दूसरी ओर है शांति। सब शांत, स्थिर। यदि एक ऐसा मनुष्य, जिसे एकांतवास का अभ्यास है, संसार के चक्कर में घसीट लाया जाए, तो उसका ध्वंस हो जाएगा। जैसे समुद्र की गहराई में रहने वाली मछली पानी की सतह पर लाते ही मर जाती है। वह सतह पर पानी के उस दबाव की अभ्यस्त नहीं होती। इसी प्रकार, सांसारिक तथा सामाजिक मनुष्य शांत स्थान पर ले जाया जाये, तो क्या वह शांतिपूर्वक रह सकता है?

आदर्श की परिभाषा : आदर्श पुरुष वे हैं, जो परम शांत एवं निस्तब्धता के बीच भी तीव्र कर्म तथा प्रबल कर्मशीलता के बीच भी मरुस्थल की शांति एवं निस्तब्धता का अनुभव करते हैं। यही कर्मयोग का आदर्श है। यदि तुमने यह प्राप्त कर लिया तो तुम्हें वास्तव में कर्म का रहस्य ज्ञात हो गया। जो कार्य हमारे सामने आते जाएं, उन्हें हम हाथ में लेते जाएं और शनैः-शनैः अपने को दिन-प्रतिदिन निः स्वार्थ बनाने का प्रयत्न करें। हमें कर्म करते रहना चाहिए तथा यह पता लगाना चाहिए कि उस कार्य के पीछे हमारा हेतु क्या है? ऐसा होने पर हम देख पाएंगे कि आरंभावस्था में प्रायः हमारे सभी कार्यों का हेतु स्वार्थपूर्ण रहता है, किंतु धीरे-धीरे यह स्वार्थपरायणता अध्यवसाय से नष्ट हो जाएगी और अंत में वह समय आ जाएगा, जब हम वास्तव में स्वार्थ से रहित होकर कार्य करने के योग्य हो सकेंगे।

बैंक में नहीं लगते ताले, शनि देव हैं रखवाले

करोड़पति से लेकर आम आदमी तक अपने रुपये पैसों को चोरों से बचाने के लिए तिजोरी और आलमारी में ताले लगाते हैं। इतना ही नहीं ताला लगाने के बाद उसे खींचकर तसल्ली कर लेते हैं कि ताला अच्छी तरह से लग गया है या नहीं। लेकिन भारत में ही एक ऐसा बैंक है जहां कभी ताला नहीं लगता है। बैंक का मानना है कि इनके बैंक की सुरक्षा स्वयं शनिदेव करते हैं और जिसके शनि हों रक्षक उसे फिर चोर और लुटेरों से डरने की क्या है जरूरत। इस बैंक का नाम है यूनाइटेड कमर्शियल बैंक। यह दुनिया का पहला ऐसा बैंक हो सकता है जहां कभी ताला नहीं लगाया जाता है। यह बैंक महाराष्ट्र के शिंगणापुर में स्थित है। शिंगणापुर को शनिधाम के नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि जिस प्रकार महाकालेश्वर उज्जैन के राजा हैं उसी प्रकार शनि देव शिंगणापुर के शासक हैं। शिंगणापुर गांव में लगभग तीन हजार की आबादी है। इस गांव में रहने वाले धनवान लोग भी अपने घरों में ताला नहीं लगाते हैं। इन्हें घर से कीमती सामान चोरी होने का कोई डर नहीं है।

आपको जानकर ताज्जुब होगा कि इस गांव में लोग पेटी, बक्सा या अटैची में बंद करके धन नहीं रखते हैं। धन को पोटली में बांधकर निश्चिंत होकर कहीं भी रख देते हैं। यहां के लोगों का मानना है कि जब भी किसी ने इस गांव में चोरी करने की कोशिश की है शनिदेव उसे स्वयं दंड देते हैं। शिंगणापुर में काले रंग का एक विग्रह है जिसे शनिदेव माना जाता है। आठ जून को शनिदेव का जन्मदिवस है। इस दिन यहां करोड़ों भक्त पहुंचेंगे और शनिदेव के विग्रह की पूजा और दर्शन का लाभ प्राप्त करेंगे। यहां आलम ये है कि बाहर से आने वाले भक्त भी अपने वाहनों में ताला नहीं लगाते हैं क्योंकि शनिदेव को बंधन पसंद नहीं है। शनिदेव के विग्रह के पास एक नीम का पेड़ है। जब भी इसकी शाखा विग्रह पर छाया करने लगती है तब किसी न किसी कारण से छाया करने वाली शाखा सूख अथवा टूटकर गिर जाती है। यहां शनिदेव खुले आसमान में विराजते हैं इन्हें मंदिर की चारदीवारी में रहना पसंद नहीं है। जिस किसी ने इनका मंदिर बनाने अथवा इन्हें छाया हेतु छत्र चढ़ाने का प्रयास किया उसे शनि के कोप का सामना करना पड़ा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बीएसएफ ने बांग्लादेश के 13 नागरिकों को किया गिरफ्तार, भारत में घुसने की कर रहे थे कोशिश

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कर्मियों ने पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना जिले के सीमा प्रवेश स्थानों से बांग्लादेश के 13 नागरिकों को भारत में घुसने की कोशिश के दौरान गिरफ्तार किया। बीएसएफ ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। शुक्रवार को अलग-अलग स्थानों से सुरक्षा बलों ने 13 बांग्लादेशी लोगों को गिरफ्तार किया। बयान में बताया गया कि बांग्लादेश के पांच नागरिकों को बिठारी सीमा चौकी से पकड़ा गया। वहीं पड़ोसी देश के छह नागरिकों को हकीमपुर सीमा चौकी के निकट से गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा बांग्लादेश के दो और नागरिकों को तराली सीमा चौकी से गिरफ्तार किया गया।

सत्येंद्र जैन ने कोरोना के तीसरे दौर को बताया सबसे बुरा, बोले- मरीजों के लिए बिस्तरों की संख्या बढ़ाई गई

डूंगरपुर। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन ने रविवार को कहा कि राजधानी में कोविड-19 का तीसरा दौर चरम पर है और मामलों की संख्या देखकर लगता है कि यह अब तक का सबसे बुरा चरण है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने दिल्ली के अस्पतालों में कोविड-19 रोगियों के लिये बिस्तरों की संख्या बढ़ा दी है, लेकिन होटलों और बैंक्वेट हॉल की सेवाएं लेने की अभी कोई योजना नहीं है। त्योहारी मौसम और बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। शुक्रवार को दिल्ली में पहली बार कोविड-19 के 7,000 से अधिक मामले सामने आए। शनिवार को शहर में बीते चार महीने में सबसे अधिक 79 रोगियों की मौत हुई।

बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान, अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांवों को निशाना बनाकर की गोलीबारी

जम्मू। पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे कठुआ जिले में अग्रिम चौकियों और गांवों को निशाना बनाकर गोलीबारी की। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि शनिवार रात करीब 9 बजकर 5 मिनट पर हीरानगर सेक्टर की करोल कृष्णा, मनयारी और सतपाल सीमा चौकियों पर गोलीबारी शुरू हुई, जो तड़के 5 बजकर 5 मिनट तक जारी रही। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने इसका माकूल जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय पक्ष को किसी तरह का नुकसान होने की खबर नहीं मिली है। सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों ने कहा कि पाकिस्तानी सैनिक रात में आम निवासियों के इलाकों को निशाना बना रहे हैं। मनयारी के निवासी श्याम लाल ने कहा, हम डर के साए में जी रहे हैं और हमें भूमिगत बंकरों में रात गुजारनी पड़ रही है।

तेलंगाना में फिर खुलेंगे सिनेमा हॉल, के चंद्रशेखर राव सरकार ने किया ऐलान

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने शनिवार को घोषणा की कि कोविड-19 महामारी के कारण बंद चल रहे सिनेमाहाल अनलॉक की प्रक्रिया के तहत अब फिर से खुल सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शहर के बाहरी इलाके में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप एक फिल्म सिटी की स्थापना की जाएगी। आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। तेलगु सिनेमा के सितारे चिरंजीवी और नागार्जुन से मुलाकात के बाद राव ने कहा कि राज्य में करीब 10 लाख लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से फिल्म उद्योग पर निर्भर हैं और कोविड-19 महामारी के कारण शूटिंग रद्द होने तथा सिनेमाघरों के बंद होने के कारण उन्होंने अपनी आजीविका खो दी है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक नक्सली ढेर, दो सुरक्षाकर्मी जख्मी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में रविवार को हुई मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया, जबकि दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तेलंगाना से लगी सीमा पर पामेड़ थाना क्षेत्र के भट्टीगुडा गांव के पास सुबह 10:30 बजे गोलीबारी हुई। उन्होंने कहा कि जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और सीआरपीएफ के कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन (कोबरा) के जवान शनिवार से छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर उग्रवाद-रोधी अभियान चला रहे हैं।

पीएम मोदी सोमवार को वाराणसी में करेंगे 37 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सोमवार को 614 करोड़ रुपये की लागत वाली करीब 37 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। भाजपा महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने बताया कि प्रधानमंत्री स्मार्ट सिटी योजना के तहत शहर के विकास के लिए विभिन्न परियोजनाओं का ऑनलाइन शिलान्यास करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री 20 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे इसके अलावा सारनाथ पुरातात्विक खंडहर में लाइट एंड साउंड सिस्टम, गंगा प्रदूषण से जुड़ी नियंत्रण इकाई, केंद्रीय कारागार की चारदीवारी, सीड स्टोर आदि का शिलान्यास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री हवाईअड्डे पर बने दो एयरोब्रिज का उद्घाटन भी करेंगे।

भारत-चीन की सेनाओं ने 8वें दौर की सैन्य वार्ता को रचनात्मक करार दिया, संयुक्त बयान में संयम बरतने पर दिया जोर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय सेना ने रविवार को कहा कि चीनी सेना के साथ लद्दाख में गतिरोध को लेकर हुई आठवें दौर की सैन्य वार्ता रचनात्मक रही और इस दौरान गहराई से एवं स्पष्ट बातचीत हुई। सेना ने अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र से सैन्य बलों के पीछे हटने को लेकर ठोस सफलता मिलने के कोई संकेत नहीं होने के बीच यह बयान दिया। भारत और चीन की सेनाओं ने एक संयुक्त बयान में कहा कि वार्ता के दौरान दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को गंभीरता से लागू करने और यह सुनिश्चित करने पर रजामंदी हुई कि सीमा पर तैनात बल संयम बरतें एवं गलतफहमी से बचें।

बीजिंग और नयी दिल्ली में जारी बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने सैन्य एवं राजनयिक माध्यमों से वार्ता एवं संवाद बनाए रखने और पुराने मसलों के समाधान के लिए वार्ता को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारतीय सेना और चीन की जनमुक्ति सेना (पीएलए) के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय हिस्से में स्थित चुशुल में शुक्रवार को आठवें दौर की उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता हुई थी। यह वार्ता करीब साढ़े 10 घंटे चली थी। वार्ता में दोनों देशों की सेनाओं ने जल्द ही पुन- मुलाकात करने पर सहमति जताई थी।

बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों के बीच भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास से सेनाओं को पीछे हटाने को लेकर रचनात्मक, स्पष्ट और गहराई से बातचीत हुई। इसमें कहा गया, ''दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सर्वसम्मति को गंभीरता से लागू करने और यह सुनिश्चित करने पर सहमति बनी कि सीमा पर तैनात बल संयम बरतें और गलतफहमी से बचें।'' बयान में कहा गया है, ''दोनों पक्षों ने सैन्य एवं राजनयिक माध्यमों से वार्ता एवं संवाद बनाए रखने और पुराने मसलों के समाधान के लिए वार्ता को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई, ताकि सीमावर्ती इलाकों में शांति कायम रहे।''

सरकारी सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना ने वार्ता के दौरान पूर्वी लद्दाख में टकराव के सभी बिंदुओं से चीन द्वारा बलों की शीघ्र वापसी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विवाद का समाधान खोजने को लेकर अभी कोई सफलता नहीं मिली है। पूर्वी लद्दाख के विभिन्न पहाड़ी इलाकों में करीब 50 हजार भारतीय सैनिक शून्य से भी नीचे तापमान में युद्ध की उच्चस्तरीय तैयारी के साथ तैनात हैं। दोनों पक्षों के बीच गतिरोध को खत्म करने के लिए हुई कई दौर की बातचीत का कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। अधिकारियों के मुताबिक, चीन ने भी लगभग इतने ही सैनिक तैनात किए हैं। दोनों पक्षों के बीच मई की शुरुआत में गतिरोध की स्थिति बनी थी।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत ने शुक्रवार को कहा था कि भारत एलएसी में कोई बदलाव स्वीकार नहीं करेगा और सीमा पर झड़पों, अतिक्रमण और बिना उकसावे की सामरिक सैन्य कार्रवाइयों के बड़े संघर्षों में बदलने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। आठवें दौर की सैन्य बातचीत में भारतीय पक्ष का नेतृत्व लेह स्थित 14वीं कोर के नवनियुक्त कमांडर लेफ्टिनेंट

जनरल पीजीके मेनन ने किया था।

विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) नवीन श्रीवास्तव भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। सातवें दौर की बातचीत में दोनों पक्षों ने ÷यथाशीघ्र÷ सैनिकों की वापसी के परस्पर स्वीकार्य समाधान तक पहुंचने के लिये सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों से बातचीत एवं संवाद कायम रखने पर सहमति व्यक्त की थी। भारत का रुख शुरू से स्पष्ट है कि सैनिकों की वापसी और पहाड़ी क्षेत्र के गतिरोध वाले बिंदुओं पर तनाव कम करने की प्रक्रिया को आगे ले जाने का दायित्व चीन पर है। छठे दौर की सैन्य बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने सीमा पर और सैनिकों को नहीं भेजने, जमीनी स्थिति को बदलने की एकपक्षीय कोशिश से बचने और स्थिति को और अधिक गंभीर बनाने वाले किसी भी कदम या कार्रवाई से बचने समेत कई फैसलों की घोषणा की थी।

उद्धव ठाकरे का केंद्र सरकार पर आरोप, कहा- मुंबई में विकास परियोजनाओं को रोकने का कर रही प्रयास

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुंबई के कांजुरमार्ग में भूमि के मालिकाना हक को लेकर अपनी सरकार के कड़े रुख को प्रकट करते हुए रविवार को कहा कि केंद्र सरकार शहर में विकास परियोजनाओं को रोकने का प्रयास कर रही है।

कांजुरमार्ग स्थित उस भूमि पर मेट्रो कार शेड का निर्माण किया जाना है। ठाकरे ने वेबकास्ट के जरिये कहा कि महाराष्ट्र से घृणा करने वाले लोगों द्वारा दुष्प्रचार अभियान चलाया गया, जो राज्य को मादक पदार्थों के केन्द्र के रूप में पेश करने पर तुले हैं। उन्होंने मेट्रो कार शेड परियोजना को आरे कॉलोनी से कांजुरमार्ग स्थानांतरित करने का विरोध करने के लिये भाजपा पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा, हाल ही में कहा गया कि कांजुरमार्ग स्थित जिस भूमि पर (मेट्रो 3) कार शेड परियोजना ले जाई जा रही है, वह नमक संसाधित भूमि है...आप मुंबई में विकास परियोजनाओं को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। ठाकरे ने यह बात केन्द्र के उस पत्र की ओर इशारा करते हुए कही, जिसमें उसने राज्य सरकार से कहा था कि वह नए स्थान पर परियोजना न शुरू करे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र से नफरत करने वाले राज्य की छवि धूमिल करने के लिये इसके खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चला रहे हैं। उन्होंने महाराष्ट्र को एक ऐसे कानून-विहीन राज्य के तौर पर पेश करने की कोशिश की है, जहां मादक पदार्थों का धंधा चलता है।

नोटबंदी के चार साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी, इससे कालेधन को कम करने में मिली मदद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नोटबंदी के चार साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि इससे काले धन को कम करने में मदद मिली है, कर जमा करने में वृद्धि हुई है और पारदर्शिता बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठ नवंबर, 2016 की आधी रात से 500 रुपये और 1000 रुपये के नोटों को बंद करने की घोषणा की थी, जो उस समय चलन में थे। मोदी ने आज ट्विटर पर विमुद्रीकरण के अपनी सरकार के फैसले के लाभों को गिनाया। उन्होंने ट्वीट किया, ''नोटबंदी ने कालेधन को कम करने में, कर अनुपालन बढ़ाने में तथा पारदर्शिता सुदृढ़ करने में मदद की है।''

उन्होंने कहा, ''ये परिणाम देश की प्रगति के लिए बहुत लाभकारी रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट के साथ एक ग्राफिक भी साझा किया है, जिसमें दर्शाया गया है कि किस तरह से विमुद्रीकरण से कर जमा होने में वृद्धि हुई, कर तथा जीडीपी अनुपात बढ़ा, भारत

अपेक्षाकृत कम नकदी आधारित अर्थव्यवस्था बना और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिली।

बीएस येदियुरप्पा उपचुनावों में भारी अंतर से जीतने को लेकर आश्वस्त

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने रविवार को सत्तारूढ़ भाजपा को राजराजेश्वरी नगर और सिरा विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनाव में भारी अंतर से जीत मिलने का विश्वास जताया, जिसके परिणाम 10 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम आर आर नगर 35,000-40,000 वोट के अंतर से जीतेंगे। सिरा में भी हम लगभग 20,000-25,000 मतों से जीतेंगे।'' उन्होंने कहा, ''मैं इसे आज नहीं कह रहा हूं, मैंने यह चुनाव से पहले और मतदान के दिन भी कहा था।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने शायद इस अनुमान को हल्के में लिया है और परिणाम आने के बाद सच्चाई का पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि येदियुरप्पा दस बार सोचने और जनता की राय को समझने के बाद कुछ बोलता है। इसलिए 100 प्रतिशत हम दोनों सीटों पर भारी अंतर से जीतेंगे। विपक्ष के नेता सिद्धरमैया के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि परिणाम कांग्रेस के पक्ष में आएंगे, उन्होंने कहा सिद्धरमैया को पता चल ही जाएगा जब 10 नवंबर को नतीजे आएंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। इस बीच, एक्जिट पोल ने संकेत दिया है कि भाजपा राजराजेश्वरी नगर और सिरा उपचुनावों में जीत हासिल कर लेगी। दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान तीन नवंबर को हुआ, जिसमें क्रमशः 82.31 प्रतिशत और 45.24 प्रतिशत मतदान हुआ।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर लगाया आरोप, कहा- नोटबंदी का मकसद उद्योगपति मित्रों की मदद करना था

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नोटबंदी को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए रविवार को आरोप लगाया कि चार साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस कदम का मकसद अपने कुछ 'उद्योगपति मित्रों' की मदद करना था और इसने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'बर्बाद' कर दिया। गांधी और कांग्रेस आरोप लगाते रहे हैं कि 2016 में की गई नोटबंदी लोगों के हित में नहीं थी और इसने अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर डाला है। इस आरोप का सरकार ने बार-बार खंडन किया है।

नोटबंदी के विरोध में पार्टी के ऑनलाइन अभियान स्पीक अप एगेंस्ट डिमो डिजास्टर के तहत जारी एक वीडियो में गांधी ने कहा कि सवाल यह है कि बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था कैसे भारत की अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ गई, क्योंकि एक समय था जब भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे उच्च प्रदर्शन वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक थी। गांधी ने हिंदी में कहा, 'सरकार कहती है कि इसका कारण कोविड है, लेकिन अगर यह वजह है तो कोविड बांग्लादेश और विश्व में अन्य जगह भी है। कारण कोविड नहीं है, नोटबंदी और जीएसटी कारण हैं।'

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, 'चार साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर एक हमला शुरू किया था। उन्होंने किसानों, श्रमिकों और छोटे दुकानदारों को नुकसान पहुंचाया था। मनमोहन सिंह जी ने कहा था कि अर्थव्यवस्था को दो प्रतिशत का नुकसान होगा, और यह हमने देखा था।'

गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह काले धन के खिलाफ लड़ाई है, लेकिन ऐसा नहीं है। गांधी ने आरोप लगाया, 'यह एक झूठ था। यह आप पर हमला था। मोदी आपका पैसा लेना चाहते थे और उसे अपने 2-3 उद्योगपति मित्रों को देना चाहते थे। आप लाइनों में खड़े हुए, उस लाइन में उनके उद्योगपति मित्र नहीं थे। आपने अपना पैसा बैंकों में रखा और प्रधानमंत्री मोदी ने उस पैसे को अपने दोस्तों को दिया और उन्हें 3,50,000 करोड़ रुपये की कर्ज माफी दी।÷ कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मोदी ने 'त्रुटिपूर्ण जीएसटी' लागू किया और छोटे, मध्यम कारोबार बर्बाद हो गए, क्योंकि 'उन्होंने अपने तीन-चार पूंजीपति दोस्तों के लिए रास्ता साफ किया।' गांधी ने आरोप लगाया कि अब किसानों को तीन नए कृषि कानूनों के जरिए निशाना बनाया जा रहा है जो किसानों को 'खत्म' कर देंगे। गांधी ने कहा कि मोदी ने भारत का गौरव- उसकी अर्थव्यवस्था को 'बर्बाद' कर दिया।

पीएसएलवी-सी49 के सफल परीक्षण के बाद बोले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, देश को इसरो पर गर्व है

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को भारत के नवीनतम भू-पर्यवेक्षण उपग्रह ईओएस-01 और ग्राहकों के नौ अन्य उपग्रहों के सफल प्रक्षेपण के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को बधाई दी तथा कहा कि भारत को इसरो पर गर्व है। कोविंद ने ट्वीट किया, 'पर्यवेक्षण उपग्रह ईओएस-01 से कृषि, वानिकी और आपदा प्रबंधन सहायता में मजबूती मिलेगी। देश को इसरो की पूरी टीम पर गर्व है।' उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि पीएसएलवी-सी49 / ईओएस-01 और अमेरिका, लक्जमबर्ग व लिथुआनिया के नौ अन्य उपग्रहों के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो को बहुत-बहुत बधाई। इस कोविड-19 महामारी के उत्पन्न हुई समस्याओं के बावजूद इस महत्वपूर्ण प्रक्षेपण की सफलता हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की प्रतिबद्धता और निरंतरता को दर्शाता है।

बोरवेल में गिरे प्रह्लाद को नहीं बचाया जा सका, 90 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

भोपाल। (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले में ओरछा के पास सेतपुरा गाँव में बोरवेल के गड्ढे में गिरे पाँच साल के प्रह्लाद को नहीं बचाया जा सका। 90 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद गड्ढे से निकालने गए प्रह्लाद की पहले ही मौत हो चुकी थी। रविवार सुबह 3 बजे बोरवेल से बाहर निकाला गया जिसके बाद घटना स्थल पर मौजूद एम्बूलेंस से उसे अस्पताल लाया गया जहाँ चिकित्सकों ने मासूम प्रह्लाद को मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर प्रह्लाद की मौत पर दुःख प्रगट किया। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि उन्हें बहुत दुख है, कि निवाड़ी के सैतपुरा गांव में अपने खेत के बोरवेल में गिरे मासूम प्रहलाद को 90 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद भी बचाया नहीं जा सका। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, और अन्य विशेषज्ञों की टीम ने दिन-रात मेहनत की, लेकिन अंत में आज सुबह 3:00 बजे बेटे का मृत शरीर निकाला गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार के लिए पांच लाख के मुआवजे का ऐलान किया है, और उनके खेत में नया बोरवेल भी बनाया जाएगा।

प्रदेश के निवाड़ी जिले के सेतपुरा गाँव के निवासी मासूम प्रह्लाद की मौत से पूरे गांव में गम का महौल है। वही बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। निवाड़ी के जिलाधिकारी आशीश भार्गव ने शनिवार रात को जानकारी दी थी कि राहत और बचाव कार्य जारी

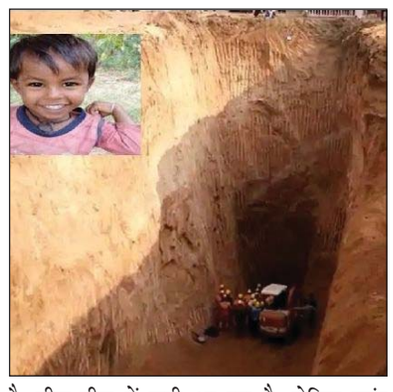

है, बीच-बीच में पानी आ रहा है, लेकिन सुरंग लगभग पूरी बना ली गई है, हालांकि बोरवेल में फंसे बच्चे में हरकत दिखने के बाद पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

बच्चा जिस गड्ढे में गिरा था, उसमें लगातार ऑक्सीजन दी जा रही थी, जिससे बच्चे को आसानी से सांस मिल सके। वहीं कैमरे के जरिए उसकी हर हरकत पर नजर रखी जा रही थी। इसके साथ ही मौके पर एम्बुलेंस के साथ डॉक्टर्स की पूरी टीम भी मौजूद रही। बच्चे प्रह्लाद के परिवार के सदस्य भी मौके पर भी मौजूद थे। वह लगातार बच्चे के सुरक्षित बाहर निकाले जाने की उम्मीद लगाए हुए थे। वही जिले की एसपी वाहिनी सिंह घटना स्थल पर रेस्क्यू टीम के साथ लगातार मौजूद रही उन्होंने करवाचौथ का व्रत भी वहीं पूरा किया वाहिनी सिंह के पति आईपीएस नागेन्द्र सिंह ने पानी पीलाकर व्रत पूरा करवाया था।

धान खरीदी को लेकर भूपेश सरकार की नियत में खोट, किसानों को हो रही परेशानी

रायपुर। (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि सरकार ने किसानों के साथ लगातार धोखा कर रही है, इससे पहले सरकार ने कहा कि 2500 रूपये प्रति क्विंटल धान खरीद लेंगे, लेकिन आज तक पूरी राशि का भुगतान नही किया गया है। अब तक चौथी किस्त का भुगतान किया जाना शेष है। इस वर्ष की भांति पिछले बार भी सरकार ने एक दिसंबर से धान की खरीदी प्रारंभ की थी, जिसके कारण किसानों में भारी रोष था और किसानों के द्वारा गांव-गांव में इसका विरोध हुआ था।

उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश सहित कवर्धा-जबलपुर, धमतरी-कांकेर, पखांजूर-भानुप्रतापपुर आदि प्रायः सभी हाईवे को किसानों के द्वारा जाम किया गया था तथा इन हाईवे पर लंबे-लंबे जाम लगे थे। इसके बाद भी सरकार द्वारा इससे कोई सबक नही लिया गया और इस बार भी सरकार किसानों के अहित में फैसला लेने के लिए अडिग है। मंडियों में धान की बंफर आवक बनी हुई है और सिर्फ राजनंदगांव मंडी में ही रोजाना 20 से 22 सौ कट्टा धान की आवक हो रही है तथा इस मंडी में 1100 से लेकर 1500 तक धान का मूल्य मिल रहा है, अर्थात किसानों को लगभग 1000 से 1400 रूपये प्रति क्विंटल हानि हो रही है। पूरे प्रदेश में पिछले बर्ष पंजीयन के पश्चात लगभग एक लाख एकड़ रकबा कम किया गया है अर्थात 15 लाख क्विंटल धान सरकार जानबूझकर नहीं लिया। इस पूरे प्रक्रिया से किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। वहीं साथ ही ओटीपी जनरेट सहित कई तकनीकी त्रुटियां हो रही हैं जिससे किसान हताश व निराश हैं।

उन्होंने कहा कि धान खरीदी विलम्ब से करने के लिए सरकार बारदानों का बहाना बनाकर किसानों को भ्रमित कर रही है, लेकिन प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश सरकार के द्वारा 2.60 लाख बारदानों की गठान का क्रय आदेश दिया था, तथा जूट कमिश्नर बंगाल ने काफी पहले ही सरकार को जानकारी दे दी थी कि उनकी एजेंसी कोरोना संकट के कारण लगभग एक लाख पचास हजार बारदानों की गठान ही दे पायेगा। इस सम्बन्ध में राज्य सरकार के अधिकारियों ने इस पत्र पर कोई कार्रवाई नही की तथा अन्य स्थान से बारदानों के क्रय हेतु कोई विकल्प नही खोजा और अब केंद्र सरकार के ऊपर दोष लगा रहे है। जबकि इसमें केंद्र सरकार की कहीं कोई भूमिका नही है। बारदानें हेतु एजेंसी को राज्य सरकार राशि देती है और उसके एवज में बारदाना का प्रदाय सम्बंधित जूट एजेंसी द्वारा किया जाता है। इस प्रकार बारदाना सम्बंधी प्रक्रिया सामान्य रूप से एक उपक्रम से क्रय विक्रय की प्रक्रिया है। इसमें केन्द्र सरकार कही भी शामिल नही हैं।

नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने कहा कि शासन को पूर्व में ही कम बारदानों की प्रदाय की जानकारी प्राप्त हो गई थी तो विकल्प का तलाश न करना शासन की उदासीनता है। सरकार को वास्तव में धान खरीदना है तो इतने बारदाने अभी भी हैं कि

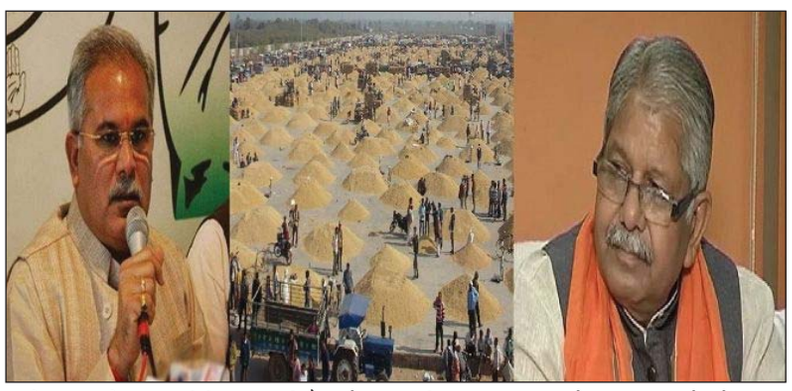

उनसे आराम से धान खरीदी जा सकती है, क्योंकि पिछले वर्ष जो बारदानें खरीदे हैं और जिनमें एक बार ही धान की पलटी हुई है। उन बारदानों का भी उपयोग किया जा सकता है, जो लगभग तीन लाख गठान के आसपास हैं।उन्होंने कहा कि सरकार के मन में नियत में खोट है वह किसानों के धान 2500 रू. में खरीदना नहीं चाहती है और इसीलिए झूठ पर झूठ बोल कर किसानों को भ्रमित कर रही है। सरकार को चाहिए कि जो बारदाने हैं वह धान खरीदी प्रारम्भ करने पर्याप्त है तथा धीरे-धीरे बारदानें की व्यवस्था सरकार करे व समय रहते जिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है उन पर भी कार्यवाही की जाए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)